INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com
वर्ष-4 | अंक-187 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 1 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जन्माष्टमी पर बदली पसंद, पत्थर के गोपाल पहली पसंद

जयपुरी मार्बल के लड्डू गोपाल और स्टील के झूले बने पसंद

स्टील के डिजाइनर झूले भी बाजार में, सजावटी सामान की मांग

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व नजदीक आते ही बाजारों में लड्डू गोपाल के श्रृंगार और मंदिर सजावट से जुड़े सामान की मांग बढ़ गई है। इस बार पीतल की मूर्तियों के साथ पत्थर से तैयार लड्डू गोपाल भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। जयपुर में तैयार होने वाली यह मूर्तियां मथुरा और वृंदावन के बाजारों में बिक्री को सजी हैं। व्यापारियों के अनुसार, छोटे आकार के लड्डू गोपाल करीब 400 रुपये और बड़े आकार की मूर्तियां 1500 रुपये तक में उपलब्ध हैं। इनका श्रृंगार पहले से किया हुआ होता है, जिससे ये देखने में बेहद आकर्षक लगते हैं। हालांकि पत्थर की मूर्तियों को संभालकर रखना पड़ता है। हाथ से गिरने पर इनके खंडित होने की आशंका रहती है। व्यापारियों का कहना है कि स्नान कराने पर भी इनका रंग फीका नहीं पड़ता। पोशाक विक्रेता गोपाल ने बताया कि श्रद्धालुओं में इन मूर्तियों को लेकर खास रुचि देखने को मिल रही है।

वृंदावन में प्रेम मंदिर के सामने सजी दुकान पर बिक्री को रखे झूले। मार्बल से निर्मित लड्डू गोपाल।

बाजारों में सजे लड्डू गोपाल के झूले

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुरजी के जन्मोत्सव को खास बनाने के लिए श्रद्धालु लड्डू गोपाल के लिए तरह–तरह के झूले खरीद रहे हैं। बाजारों में लकड़ी से लेकर अलग–अलग धातुओं से बने आकर्षक झूले उपलब्ध हैं। इन झूलों की सजावट और डिजाइन श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। दुकानों पर लकड़ी के झूलों के साथ धातु से तैयार झूले भी श्रद्धालुओं की पसंद बने हुए हैं। झूलों पर आकर्षक नक्काशी और सजावट की गई है, वैसे साधारण डिजाइन में भी यह उपलब्ध हैं। झूला बेच रहे राहुल अग्रवाल ने बताया कि झूलों की कीमत उनके आकार, निर्माण सामग्री, डिजाइन और सजावट के आधार पर अलग–अलग है। श्रद्धालु अपनी पसंद और बजट के अनुसार झूले खरीद रहे हैं। बाजार में झूले तीन सौ रुपये से लेकर तीन हजार मूल्य पर उपलब्ध हैं। श्रद्धालु झूलों के साथ लड्डू गोपाल के लिए पोशाक, मुकुट और अन्य सजावटी सामान भी खरीद रहे हैं।

राजू दास की गिरफ्तारी को शक्ति प्रदर्शन, हजारों ने घेरा कलेक्ट्रेट

महंत राजू दास के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर निकाले गए जुलूस में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी–कार्यकर्ता।

वीआइपी के राष्ट्रीय संयोजक मुकेश साहनी बोले–24 घंटे में मुकदमा नहीं तो होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

यूनिक समय, मथुरा। लाइव टेलीविजन बहस के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद के साथ कथित गाली–गलौज और आपत्तिजनक भाषा के विरोध में मंगलवार को विकासशील इंसान पार्टी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर बड़ा प्रदर्शन हुआ। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक-बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश साहनी के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने दामोदरपुरा से कलेक्ट्रेट तक विशाल जुलूस निकाला। इसमें कांग्रेस, इंडिया गठबंधन, वामपंथी दलों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। अचानक प्रदर्शनकारियों के आने से कलेक्ट्रेट पर हड़कंप जैसे हालात बन गए।

जुलूस में शामिल कार्यकर्ताओं ने राजू दास की गिरफ्तारी, मुकदमा दर्ज करने और कानून के समान रूप से लागू होने की मांग को लेकर नारे लगाए। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारी डीएम से मिलकर ज्ञापन सौंपने पर अड़े रहे। सुरक्षा को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

महंत के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सीओ सिटी आशना चौधरी को ज्ञापन देते कांग्रेस नेता कुंवर सिंह निषाद, वीआइपी के राष्ट्रीय संयोजक मुकेश साहनी आदि।

मुख्यमंत्री आगमन से जुड़े कार्यक्रम में डीएम के व्यस्त होने के कारण प्रदर्शनकारियों से नहीं मिल सके। करीब तीन घंटे इंतजार के बाद सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे, लेकिन स्पष्ट आश्वासन न मिलने पर नारेबाजी तेज हो गई। बाद में सीओ सिटी आशना चौधरी ने मुकेश साहनी और प्रतिनिधिमंडल से बातचीत कर ज्ञापन लिया, नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुकेश साहनी ने कहा कि प्रशासन को 24 घंटे का समय दिया गया है। तय अवधि में मुकदमा दर्ज कर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वह दोबारा मथुरा आएंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जवाब मांगेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि न्याय नहीं मिलने पर आंदोलन को पूरे प्रदेश में विस्तार दिया जाएगा। कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद ने आरोप लगाया कि कार्रवाई में देरी से राजू दास को सरकारी संरक्षण मिलने का संदेश जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने भी कानून को सभी के लिए समान रूप से लागू करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने निषाद की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने, निष्पक्ष जांच और शिकायतकर्ता की सुरक्षा तय करने की मांग की।

कार्यक्रम में वीआईपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजा राम बिंद, अहमदाबाद प्रदेश अध्यक्ष हरिओम वर्मा निषाद, वरिष्ठ वीआईपी नेता प्रेमचंद कश्यप, महेन्द्र निषाद, जिलाध्यक्ष हेमंत निषाद, बाबा बालदास, देवेंद्र निषाद, बलबीर निषाद, कमल किशोर निषाद, मोहन निषाद, विजय निषाद, सत्य प्रकाश निषाद, सुरेंद्र निषाद, हेमराज निषाद, नेम सिंह निषाद, शिव कुमार निषाद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, विक्रम बाल्मीकि मनोज गौड़ शिवदत्त चतुर्वेदी रवि वाल्मीकि यूथ कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनाम धन्य तिवारी, कम्युनिस्ट नेता गफ्फार अब्बास एडवोकेट, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष दुर्गेश बघेल, महेश चौबे, संदीप हिंडोल, मुकेश निषाद, भाकियू जिलाध्यक्ष सोनू फौजी, माधव गौतम एडवोकेट, देवकीनंदन एडवोकेट, शालू सिकरवार एडवोकेट, देवकीनंदन कश्यप, डॉ. पुरुषोत्तम निषाद, डालचंद निषाद एडवोकेट, हीरालाल कश्यप, सुमित कश्यप, प्रेमवीर पाराशर, रोहित शर्मा, दिनेश शर्मा, प्रीतम सिकरवार, राहुल सिकरवार एडवोकेट, संजीव कुमार, कोमल सिंह सहित हजारों कार्यकर्ता समर्थक मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान में जन्माष्टमी की चल रही तैयारियों को परखते एडीजी एसके भगत, आयुक्त नगेंद्र प्रताप आदि।

अधिकारियों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि का किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा- व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एडीजी सुवेंद्र कुमार भगत, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, डीआइजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने संयुक्त रूप से परिसर का निरीक्षण किया।

इस दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी का अवलोकन किया। अधिकारियों ने सुरक्षा के दृष्टिगत संवेदनशील-महत्वपूर्ण स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, भीड़ नियंत्रण के प्रभावी इंतजाम करने, कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ व्यवस्थाएं मजबूत रखने को कहा।

आपके शहर की हर हलचल,
आपके गली-मोहल्ले की हर खबर
अब आपके फोन पर सिर्फ एक क्लिक में
यूनिक समय
हर खबर समय पर...
अब खबरें आएँगी सीधे आपके फोन पर!
सिर्फ हमारे WhatsApp News Channel पर!
अभी QR कोड स्कैन करें और हर खबर से जुड़े रहें
@UniqueSamayNews
Follow channel
9193343351
289-290 Unique building Near Krishna Nagar Chowk Mathura (UP) - 281004

जन्माष्टमी को सज रहे 25 चौराहे, निखरेगी कृष्णनगरी

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के लिए सजाया गया टैंक चौराहा।

चार सितंबर के जन्मोत्सव को लेकर नगर निगम सक्रिय

बिजली की झालरों रंग-बिरंगी लाइटों से जमगम होगी नगरी

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर सजा भूतेश्वर तिराहा।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर कृष्णनगरी में तैयारियां तेज हो गई हैं। चार सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा। पर्व पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के ब्रज आने की संभावना है। श्रद्धालुओं के स्वागत और शहर को आकर्षक रूप देने के लिए नगर निगम ने प्रमुख चौराहों और मार्गों की साज-सज्जा शुरू करा दी है।

कई दिन से नगर में कान्हा के प्राकट्योत्सव को लेकर सजावट का काम चल रहा है। नगर निगम की टीमें शहर के करीब 25 प्रमुख चौराहों और तिराहों को रंग-बिरंगे कपड़ों, सजावटी सामग्री और विद्युत झालरों से सजाने में जुटी हैं। रात में आकर्षक रोशनी के लिए विभिन्न स्थानों पर लाइटें भी लगाई जा रही हैं। इससे जन्माष्टमी पर कृष्णनगरी रोशनी से जगमगाती नजर आएगी। शहर आने के लिए जब श्रद्धालु हाइवे पर उतरकर टाउनशिप, कृष्णानगर और माहेश्वरी तिराहे से आएंगे तो अंडरपास के नीचे और पिलरों पर की गई बिजली की रोशनी लुभाएगी। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए नगर निगम स्वच्छता, प्रकाश और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दे रहा है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने बताया कि सभी टीमों को जन्माष्टमी से पहले तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

सीएम के स्वागत को संवर रहा शहर

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा के प्राकट्योत्सव में शामिल होने को आ रहे सीएम योगी आदित्यनाथ के स्वागत को शहर को सजाने का भी काम हो रहा है। नगर निगम और प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा के दृष्टिगत व्यवस्था बनाने को जुटे हैं। चौराहों के साथ डिवाइडरों को निखारा जा रहा है। वहीं, सुरक्षा के दृष्टिगत टैंक चौराहा से वेटेरिनरी विवि. तक सड़क के दोनों ओर खड़े पेड़ों की लटकती डालियों को छांटने का काम हो रहा है। तीन सितंबर को योगी आदित्यनाथ वृंदावन आएंगे, कई कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद 400 करोड़ रुपये के कामों का शिलान्यास- लोकार्पण करने के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। चार सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मस्थाम में पूजा करेंगे। इस दौरान सीएम वेटेरिनरी विवि. में प्रवास करेंगे। ऐसे में अधिकारी सीएम के आने-जाने वाले मार्ग को निखारने में जुटे हुए हैं। वेटेरिनरी विवि से टैंक चौराहे तक लगाए गए कृत्रिम जानवरों को साफ कराया गया है, रात में जानवर नजर आएं, इसके लिए लाइटें भी लगवाई गईं हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 को, दो वाहन रवाना

यूनिक समय, मथुरा। 12 सिंतबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने का आह्वान करते हुए जनपद न्यायाधीश विकास कुमार ने दो प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया।

पति को घर से बुलाकर ले गए, फिर अस्पताल में मिली मौत की खबर

मृतक की पत्नी ने तीन पर लगाया हत्या का आरोप

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव सुरवारी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक महिला ने अपने पति की साजिश के तहत बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

थाना में दी गई तहरीर में प्रार्थिया लज्जावती निवासी गांव सुरवारी ने बताया कि 30 अगस्त की शाम करीब छह बजे गांव के ही राजेश पुत्र रूपी, मनोज पुत्र रूपी और जाब गांव निवासी कमल जाबिया पुत्र नामालूम उसके पति चंद्रपाल को घर से अपने साथ बुलाकर ले गए थे। कुछ ही घंटों बाद रात करीब नौ बजे ग्राम प्रधान सुरवारी जयवीर ने घर आकर सूचना दी कि उसका पति केडी हॉस्पिटल अकबरपुर में भर्ती है। जब वह परिजनों के साथ अस्पताल पहुंची तो डॉक्टरों ने बताया कि चंद्रपाल की मौत हो चुकी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए मथुरा भेज दिया गया है। लज्जावती का आरोप है कि उक्त तीनों लोगों ने साजिश रचकर उसके पति की हत्या की है। घटना के बाद से तीनों आरोपी घर से फरार हैं और गांव में उनका कोई सुराग नहीं लग रहा है। पीड़िता ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आग से दुकान का जला सामान, मुआवजे की मांग

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष ने डीएम से अलवर पुल के समीप देवीपुरा में व्यापारी के गोदाम और मकान में लगी आग का पीड़ित को मुआवजा दिलाए जाने और मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता दिलाने के लिए मांग की है। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष शशिभानू गर्ग ने डीएम को पत्र लिख कर 31अगस्त की देर रात अलवर पुल के समीप देवीपुरा में मुख्य मार्ग पर मुकेश अग्रवाल के गोदाम में रखे रेडीमेड कपड़ों, सूट साड़ी, जूता चप्पल की दुकान में लगी आग से जहां व्यापारी की भारी नुकसान हुआ है, वहीं मकान मालिक गिर्राज सिंह को भी नुकसान हुआ है। डीएम से इस मामले में लेखपाल से जांच करा कर आर्थिक सहायता दिलाए जाने और मुख्य मंत्री राहत कोष से भी आर्थिक सहायता दिलाए जाने की संतुति करने की मांग की है।

गन्ना मंत्री को 'कालनेमी' कहने पर भड़के समर्थक

गन्ना मंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी को लेकर वार्ता करते ग्रामीण।

यूनिक समय, नंदगांव। छाता शुगर मिल को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच मंगलवार को क्षेत्रीय राजनीति गरमा गई। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के खिलाफ आंदोलन के दौरान कथित अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के विरोध में नंदगांव और आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीण मंत्री के समर्थन में सामने आए। वार्ता कर उन्होंने आंदोलनकारियों से व्यक्तिगत टिप्पणी से बचने और मांगों को शांतिपूर्ण और मर्यादित तरीके से रखने की अपील की।

दान बिहारी चौधरी ने कहा कि छाता शुगर मिल को दोबारा चालू कराने को लेकर मंत्री स्वयं गंभीर हैं और अपने स्तर से लगातार प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में उनके खिलाफ व्यक्तिगत बयानबाजी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि मिल का मद्दा किसानों के भविष्य से जुड़ा है, इसे राजनीतिक टकराव का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। फैली प्रधान ने कहा कि शुगर मिल से हजारों किसानों और क्षेत्रवासियों की उम्मीदें जुड़ी हैं। उन्होंने सभी पक्षों से सकारात्मक बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की अपील की। अधिवक्ता उधम सिंह ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अमर्यादित भाषा स्वीकार नहीं की जा सकती। नंदगांव चेयरमैन प्रतिनिधि भीम चौधरी और पूर्व चेयरमैन बदन सिंह ने भी मिल के मुद्दे को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखकर समाधान की दिशा में आगे बढ़ने की बात कही।

रामगोपाल ने बताया कि आंदोलनकारियों की समिति पूर्व सांसद कुंवर मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर चुकी है और वहां से आश्वासन मिला है। उन्होंने धरना समाप्त कर सरकार को प्रयासों के लिए समय देने की अपील की। वार्ता में क्षेत्र के किसान, ग्रामीण और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नाबार्ड निरीक्षण में मिली कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर करने के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। जिला सहकारी बैंक मथुरा के बोर्ड की बैठक मंगलवार को आयोजित हुई। बैठक में नाबार्ड के अधिकारियों द्वारा बैंक के किए गए निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बोर्ड के सभी सदस्यों को निरीक्षण में पाई गई कमियों से अवगत कराया गया।

बैठक की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर ने की। उन्होंने बैंक के सचिव डॉ. शैलेंद्र सिंह को निर्देशित किया कि नाबार्ड निरीक्षण में सामने आई सभी कमियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने बैंक की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया।बैठक में निहाल सिंह आर्य, जगदीश कुंतल, बनवारी लाल सिकरवार, ठाकुर रामलीलाल, ठाकुर मानवेंद्र सहित सभी संचालकों ने अध्यक्ष के निर्देशों का समर्थन किया। संचालकों ने बैंक की कार्यप्रणाली में आवश्यक सुधार करते हुए निरीक्षण में पाई गई कमियों का शीघ्र निराकरण करने पर सहमति जताई। अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर ने कहा कि बैंक को बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता और सुशासन के साथ और अधिक मजबूत और विश्वसनीय बनाने के लिए आवश्यक कदम प्राथमिकता से उठाए जाएंगे।

दो दिन मथुरा रहेंगे सीएम योगी आदित्यनाथ

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन और चार सितंबर को मथुरा प्रवास करेंगे। मुख्यमंत्री तीन सितंबर को दोपहर करीब एक बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से वृंदावन स्थित हेलीपैड पवनहंस पहुंचेंगे। इसके बाद कार से भक्ति स्थल मार्ग का भ्रमण और निरीक्षण करेंगे। वह वृंदावन के गीता शोध संस्थान में आायोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक उप्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद की समीक्षा बैठक में शामिल होंगे।

दोपहर 3:30 से पांच बजे तक गीता शोध संस्थान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर लोकार्पण-शिलान्यास, पौधारोपण और साधु-संतों का सम्मान करके परियोजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री बांके बिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे, जबकि रात को पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान के अतिथि गृह में विश्राम करेंगे।

अगले दिन चार सितंबर को सुबह करीब 10 बजे मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचकर गो-पूजन और दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। वहीं, सीएम के फायनल कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं।

लापता पशुओं को पुलिस ने मालिक को सौंपा

यूनिक समय,मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव सोन से एक किसान के पशु तीन दिन पहले कहीं लापता हो गए थे। पुलिस ने ग्रामीणों की सूचना पर पशुओं को अपनी देखरेख में ग्रामीण को दे दिया था। बताया गया कि पशुओं के मालिक को जब उसके पशुओं के अड़ींग चौकी पर होने का पता लगा तो वह देर सायं चौकी पहुंच गया। ग्रामीण ने अपने पशुओं को पहचान लिया। इसके बाद चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने पशुओं के बारे में पूरी जानकारी लेने के बाद संतुष्ट होकर पशुओं को उसके मालिक को सौंप दिया। पशु मालिक ने पुलिस की प्रशंसा की।

जन्माष्टमी पर चाक–चौबंद रहेगी सुरक्षा, सात जोन में बंटा शहर

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर वाहनों को रोकने के लिए मछली फाटक अंडरपास के समीप लगा बैरियर।

जन्मस्थान–बांकेबिहारी समेत प्रमुख मंदिरों पर रहेगा कड़ा पहरा

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर देश–विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस–प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान, वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर समेत प्रमुख मंदिरों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। पूरे क्षेत्र को सात जोन और 35 सेक्टर में बांटकर पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में करीब आठ कंपनी पीएसी, एक कंपनी आरएएफ और पीएसी की बाढ़ राहत टुकड़ी को लगाया गया है। इसके अलावा सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रहेगी। इंटरनेट मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और अभिसूचना तंत्र को सक्रिय कर दिया गया है। अधिकारी और पुलिसकर्मी लगातार संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी पर आयोजित होने वाले भंडारों के आयोजकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं। होटल और आश्रम संचालकों को भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर क्या करना है और किन बातों से बचना है, इसकी जानकारी दी गई है।

एसएसपी ने बताया कि जिले के लिए विस्तृत यातायात योजना तैयार की गई है। विभिन्न स्थानों पर नो–एंट्री, एकतरफा यातायात, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक और मार्ग परिवर्तन की व्यवस्था तय की गई है। इसकी जानकारी लोगों तक क्यूआर कोड, सामाजिक माध्यमों और समाचार पत्रों के माध्यम से पहुंचाई जा रही है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और श्रद्धालुओं को सुरक्षित- सुगम दर्शन कराकर सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

चीनी के बढ़े दाम से मिश्री महंगी, प्रसाद बिक्री प्रभावित

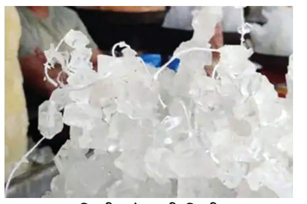
दुकान पर बिक्री को रखी मिश्री।

दाऊजी मंदिर में श्रद्धालु अब कम मात्रा में मिश्री खरीद रहे

कीमत बढ़ने से दुकानदारों के कारोबार पर पड़ा असर

यूनिक समय, बल्देव। चीनी के बढ़े दामों का असर अब दाऊजी महाराज मंदिर के प्रसाद बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। चीनी महंगी होने से मिश्री के दाम बढ़ गए हैं। इस वजह से अब मंदिर में आने वाले श्रद्धालु पहले की अपेक्षा कम मात्रा में मिश्री खरीद रहे हैं। प्रसाद के रूप में मिश्री की मांग होने के बावजूद बढ़ी कीमतों ने खरीदारी प्रभावित कर दी है।

दुकानदारों के अनुसार, चीनी महंगी होने से मिश्री तैयार करने की लागत बढ़ गई है। इसी वजह से उन्हें भी मिश्री के दाम बढ़ाने पड़े हैं। दुकानदारों ने बताया कि बढ़ी कीमतों का सीधा असर बिक्री पर पड़ रहा है। राजू पांडे ने कहा कि पहले श्रद्धालु प्रसाद के लिए एक–दो किलो तक मिश्री खरीद लेते थे, लेकिन अब अधिकांश लोग आधा किलो या उससे भी कम मात्रा ले रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि यदि चीनी के दाम जल्द कम नहीं हुए तो कारोबार पर और असर पड़ सकता है।

बाइक सवार की सड़क दुर्घटना में मौत

मांट रोड पर जावरा के समीप हुआ हादसा

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट क्षेत्र स्थित गांव जावरा के समीप बाइक सवार को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई।

बताया गया कि गांव दांतोली थाना गौरई तहसील इगलास अलीगढ़ निवासी सुनहरी लाल बीती रात मथुरा से बाइक से गांव के लिए जा रहा था। मांट थाना क्षेत्र में राया मांट रोड पर गांव जावरा के समीप उसकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मारदी। दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर घायल होकर सड़क पर गिर गया। घायल को सड़क पर पड़ा देख कर वहां से गुजरते किसी राहगीर ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को उसके साथ हुए हादसे की सूचना दी। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यमुना एक्सप्रेस–वे पर नींद की झपकी बनी हादसे की वजह

क्रेटा ने पिकअप में मारी टक्कर, तीन हुए घायल

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह चालक को नींद की झपकी आने से आगरा से नोएडा की ओर जा रही क्रेटा कार आगे चल रही पिकअप में पीछे से टकरा गई। हादसे में क्रेटा सवार तीन लोग घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चालक आकाश पटेल निवासी आजमगढ़ पिकअप को लेकर यमुना एक्सप्रेस- वे पर जा रहा था। इसी दौरान यमुना एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन 61 के समीप पीछे चल रही क्रेटा कार के चालक गौरव निवासी कंकरखेड़ा, मेरठ को अचानक नींद की झपकी आ गई। झपकी आने पर कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही पिकअप में पीछे से टकरा गई। हादसे में क्रेटा सवार गौरव, कुसुम और आरती को हल्की चोटें आईं। सूचना मिलते ही पीआरवी और बाजना कट प्रभारी हरेंद्र सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को एक्सप्रेस-वे से हटाकर किनारे खड़ा करा दिया।

तमंचाधारी गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। थाना बल्देव पुलिस ने एक अभियुक्त को देशी तमंचा-कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान खड़ेरा गांव को जाने वाले रास्ते पर पुलिया के समीप से अभियुक्त अर्जुन निवासी भैसौरा बुजर्ग जनपद कासगंज को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा- कारतूस बरामद किए हैं।

दहेज में स्कॉर्पियो की मांग, विवाहिता ने लगाए उत्पीड़न के आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। दहेज में स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग और उत्पीड़न के आरोप में कोतवाली पुलिस ने पति और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराएं भी लगाई गई हैं। शिकायतकर्ता चंचल शर्मा निवासी गौशाला घर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी शादी 30 नवंबर 2025 को नंद गोस्वामी निवासी टीसी सरकार छटीकरा के साथ हुई थी। शिकायत के अनुसार, शादी में परिवार की ओर से करीब 30 लाख रुपये खर्च किए गए। इसमें नकदी, सोने–चांदी के जेवरात, कपड़े, फर्नीचर और अन्य सामान दिया गया था। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल पक्ष की ओर से स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग की जाने लगी। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ गाली–गलौज, मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न किया गया। इसके बाद उसे घर से निकाल दिया गया। मुकदमे में नंद गोस्वामी और मोहिनी गोस्वामी को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोकुल बैराज के समीप मिला अज्ञात शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार पुलिस ने गोकुल बैराज के समीप से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि शव यमुना में पीछे से बहता हुआ आया है। अज्ञात के शरीर पर केवल अंडरवियर है। उसकी उम्र करीब 35 साल मालूम हो रही है। पुलिस ने अज्ञात शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस शव की शिनाख्त में जुटी है।

महिला की हॉस्पिटल में हुई मौत

प्रसव के दौरान घर पर ही बेटी को दिया था जन्म

हालत बिगड़ने पर महिला को हॉस्पिटल में कराया था भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। प्रसव के बाद महिला की मौत को लेकर मायके वाले ससुरालीजनों पर महिला का इलाज ठीक से न कराने का आरोप लगा रहे हैं।

बताया गया कि लक्ष्मी की शादी ऋषि के साथ हुई थी। ऋषि के पिता गोवर्धन के किसी मंदिर में पुजारी है। बताया गया कि लक्ष्मी का प्रसव होने से एक माह पूर्व उसकी मां बलजीत नगर, नई दिल्ली अपने साथ ले गई। 28 अगस्त को लक्ष्मी ने घर पर प्रातः बेटी को जन्म दिया। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। मां ने ससुराल वालों को उसकी हालत खराब होने की सूचना दी। परिवार के लोगों ने लक्ष्मी को लाकर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वहां पर चिकित्सकों ने लक्ष्मी को केडी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाने को कहा। लक्ष्मी को केडी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी बीती रात मौत हो गई। पुलिस ने लक्ष्मी के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लक्ष्मी के मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वालों ने उसके इलाज में लापरवाही की है। नन्हीं बेटी सुरक्षित है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में किसी तरह की कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जन्माष्टमी की मिठास पर महंगाई का पहरा, मेवों ने बिगाड़ा घर का बजट

काजू-बादाम-किशमिश के बढ़े दामों से त्योहार की मिठास फीकी

एक महीने में काजू 50 बादाम 200 और किशमिश 60 रुपये किलो तक महंगी

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कान्हा के भोग से लेकर घर की रसोई तक मिठास घोलने की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं, लेकिन इस बार इस मिठास पर महंगाई का पहरा है। गोला और ड्राई फ्रूट से बनने वाली पारंपरिक मिठाइयों के लिए जरूरी सामान के दाम बढ़ने से त्योहार का बजट भी बढ़ गया है। खासकर काजू, बादाम और किशमिश की बढ़ी कीमतों ने गृहणियों की चिंता बढ़ा दी है।

होलीगेट बाजार में ड्राई फ्रू ट कारोबारी मयंक खत्री के अनुसार, पिछले एक महीने में मेवों के दामों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। काजू 900 रुपये से बढ़कर 950 रुपये किलो पहुंच गया है। वहीं बादाम के भाव 900 रुपये से बढ़कर 1000 से 1100 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। सबसे ज्यादा असर किशमिश की कीमत में भी नजर आया है। 440 रुपये किलो बिकने वाली किशमिश अब करीब 500 रुपये किलो पहुंच गई है।

थाली वही, खर्च बढ़ा

त्योहार पर मिठाई बनाने की मात्रा भले ही कम न हो, लेकिन बढ़े हुए दामों ने खर्च का हिसाब जरूर बदल दिया है। काजू-बादाम-किशमिश जैसी सामग्री थोड़ी सी मात्रा में भी मिठाई की लागत बढ़ा रही है। ऐसे में जन्माष्टमी पर कान्हा को भोग लगाने और मेहमानों का मुंह मीठा कराने के लिए लोगों को इस बार जेब कुछ ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। इस जन्माष्टमी कान्हा की भक्ति में मिठास तो खूब घुलेगी, लेकिन मेवों की महंगाई उसका स्वाद जरूर थोड़ा कड़वा करेगी।

कान्हा की मिठाई में महंगाई का तड़का

जन्माष्टमी पर घरों में बनने वाली गोला नारियल, मेवा और बीज की गिरी से तैयार मिठाइयों में इस बार सामग्री की लागत बढ़ गई है। हालांकि राहत की बात यह है कि गोला नारियल, बीज की गिरी, पिस्ता और अखरोट के दामों में फिलहाल कोई खास उछाल नहीं आया है। शहर के बाजार में गोला नारियल करीब 440 रुपये किलो, बीज की गिरी करीब 500 रुपये किलो और साबुत अखरोट करीब 580 रुपये किलो बिक रहा है। वहीं पिस्ता सबसे महंगे मेवों में शामिल है, इसके भाव 3500 रुपये किलो से अधिक बताए जा रहे हैं।

चीनी-प्याज के भाव बराबर ग्राहक बोले-फर्क क्या

सप्ताहभर में चीनी पांच रुपये सस्ती, प्याज में अभी नहीं मिल सकी है राहत

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारी सीजन के बीच रसोई के बजट में मामूली राहत जरूर मिली है, लेकिन महंगी सब्जियों ने घरेलू खर्च का दबाव बरकरार रखा है। पिछले एक सप्ताह के मुकाबले चीनी के दाम में पांच रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई है। बाजार में अब चीनी करीब 60 रुपये किलो बिक रही है। वहीं प्याज के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है, यह भी 60 रुपये किलो के भाव पर ही मिल रही है। दोनों के समान भाव होने से बाजार में ग्राहकों के बीच इसकी खूब चर्चा हो रही है।

पिछले सप्ताह तक चीनी करीब 65 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही थी।

अब थोक बाजार में कीमतों में नरमी आने के बाद फुटकर बाजार में भी इसका असर दिखाई देने लगा है। दुकानदारों के अनुसार, चीनी के दाम में पांच रुपये की कमी से रोजमर्रा की खरीदारी करने वाले ग्राहकों को कुछ राहत मिली है। त्योहारों के दौरान घरों में मिठाई और अन्य पकवानों की तैयारी बढ़ने से चीनी की मांग भी बनी हुई है।

दूसरी ओर प्याज के भाव में फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। फुटकर बाजार में प्याज 60 रुपये किलो बिक रही है। ऐसे में खरीदारी करने पहुंचे ग्राहक चीनी और प्याज के एक समान भाव को लेकर चुटकी लेते नजर आए।

ग्राहकों का कहना है कि चाय में डालने वाली चीनी और सब्जी में इस्तेमाल होने वाला प्याज अब एक ही भाव में मिल रहा है।

चीनी सस्ती, लेकिन रसोई खर्च पर दबाव कायम

गृहणियों का कहना है कि चीनी के दाम में कमी राहत देने वाली है, लेकिन सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में अपेक्षित गिरावट नहीं आने से रसोई का बजट अभी भी प्रभावित है। प्याज के दाम कम होने पर घरेलू खर्च में कुछ और राहत मिलने की उम्मीद है। व्यापारियों की नजर अब मंडी में प्याज की आवक और चीनी के थोक भाव पर टिकी है। वैसे, आने वाले दिनों में आवक बढ़ने पर प्याज की कीमतों में नरमी की उम्मीद जताई जा रही है।

पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में तीन दिन सजेगी कृष्ण भक्ति की महफिल

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर डैम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में दो से चार सितंबर तक विविध सांस्कृतिक और भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। तीन दिनों तक कलाकार भजन, नृत्य, गायन, शास्त्रीय संगीत और कृष्ण लीलाओं की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति से सराबोर करेंगे।

दो सितंबर को दोपहर तीन बजे मुख्य अतिथि उद्घाटन और दीप प्रज्वलन करेंगे। इसके बाद श्याम शंख वादन होगा। दोपहर 3:15 से 4:15 बजे तक कान्हा अकादमी की ओर से बधाई, नृत्य-गायन की प्रस्तुति होगी। शाम 4:15 से 6:15 बजे तक भारत भूषण भजन जैमिंग और 6:15 से 7:40 बजे तक गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी वृंदावन की ओर से मुदरिया प्रेम और नन्दोत्सव की झांकी प्रस्तुत की जाएगी।

भजन, नृत्य और संगीत से गूंजेगा डैम्पियर नगर

तीन सितंबर को शाम चार बजे देवेश शर्मा भजन गायन करेंगे। पांच से सात बजे तक कृष्णा सागर कलेक्टिव की ओर से कृष्ण भजन जैमिंग होगा। शाम सात से नौ बजे तक श्रुति अनिंदिता वर्मा और साथी कलाकार कृष्णा कनेक्ट के तहत संगीतमय प्रस्तुति देंगे। चार सितंबर को मोहित शेवानी की कृष्णायण प्रस्तुति होगी। शाम पांच से सात बजे तक स्नीति मिश्रा, अनिरबान राय और मैत्रेयी राय भजन, बांसुरी वादन- शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगे। रात सात से नौ बजे तक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या मुख्य आकर्षण रहेगी।

गैंगस्टर एक्ट में चार को दस-दस साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। विशेष न्यायाधीश गिरोहबंद- समाज विरोधी क्रिया कलापों (निवारण) अधिनियम/अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या चार नीलम ढाका ने गैंगस्टर एक्ट में चार अभियुक्तों को दस-दस साल का कारावास और पांच-पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक शाासकीय अधिवक्ता शैलेंद्र गौतम ने बताया कि पदम सिंह, राजपाल, राजकुमार,लाखन और प्रवीन के खिलाफ सुरीर

पांच-पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

पुलिस ने 2/3 उत्तर प्रदेश गिरोहबंद अधिनियम और समाज विरोधी क्रिया कलाप (निवारण) अधिनियम के तहत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। मुकदमे की सुनवाई के लिए विशेष न्यायाधीश गिरोहबंद एंव समाज विरोधी क्रिया कलापों (निवारण) अधिनियम/अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या चार नीलम ढाका के न्यायालय में हुई। पुलिस का कथन है कि सभी अपराधियों का इलाके में भय-आतंक इतना है कि उनके खिलाफ कोई भी व्यक्ति गवाही देने को तैयार नहीं है। न्यायाधीश ने इस मामले में पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार और सरकारी वकील के तर्क के आधार पर सभी अभियुक्त पदम सिंह, राजपाल, राजकुमार, प्रवीन निवासीगण भालई सुरीर को उक्त सजा से दंडित किया।

पाइप फिटिंग को लेकर विवाद, महिला से मारपीट का आरोप

यूनिक समय,मथुरा। थाना गोवर्धन क्षेत्र के गांव कौंथरा में पाइप फिटिंग को लेकर हुए विवाद में महिला ने तीन लोगों पर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार, गांव कौंथरा निवासी विमला ने तहरीर दी कि 20 अगस्त को करीब 2:30 बजे उनके घर की दीवार पर पानी की पाइप फिटिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले मनोज, राजवती और ममता वहां पहुंचे और पाइप फिटिंग को लेकर विवाद करने लगे। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे विमला को चोट आई। महिला के बच्चों के बीच-बचाव करने पर उनके साथ भी गाली-गलौज करने और मारने की धमकी देने का आरोप है।

शराब तस्करी में दस हजार का इनामी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। पंजाब से शराब तस्करी करने वाले एक शराब तस्कर को एक साल बाद सर्विलांस और स्पेशल टासक फोर्स ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित है।

पुलिस के अनुसार, आबकारी विभाग और पुलिस टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करने के बाद 28 जनवरी 2025 को पंजाब से अवैध रुप से अंग्रेजी शराब लेकर आ रहे ट्रक को जमुनावता चौराहे पर पकड़ लिया था। ट्रक चालक मौके से भाग गया था। इस मामले में थाना गोवर्धन में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने ट्रक से 410 पेटी पंजाब में बिक्री की जाने वाली शराब बरामद की थी। पुलिस ने ट्रक के चेसिस नंबर से इस बात का पता लगाया कि ट्रक का वास्तविक मालिक कौन है। पुलिस को पता लगा कि ट्रक का

ट्रक चेसिस नंबर से हुई थी उसकी पहचान

मालिक रामवीर निवासी ग्राम झामरी थाना साल्हवास जिला झज्जर हरियाणा है। इस पर पुलिस ने ट्रक मालिक रामवीर की गिरफ्तारी के प्रयास किए, लेकिन वह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सका है। पुलिस की ओर से उसकी गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। गोवर्धन थाना प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार मिश्रा, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा, स्पेशल टास्क टीम प्रभारी उप निरीक्षक अमित तोमर और पुलिस टीम ने अभियुक्त रामवीर को अड़ींग नहर के पुल से गिरफ्तार कर लिया।

कान्हा के जन्मोत्सव में प्यास नहीं सताएगी, पानी की पूरी व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर कान्हा की नगरी में उमड़ने वाले देशभर के श्रद्धालुओं की प्यास बुझाने के लिए उद्योगपति-जलपुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे ने सेवा का संकल्प लिया है। जन्माष्टमी पर्व के दौरान मथुरा-वृंदावन में भंडारों और सेवा शिविरों को पानी उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे पानी के टैंकर उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर प्याऊ भी लगाई जाएंगी।

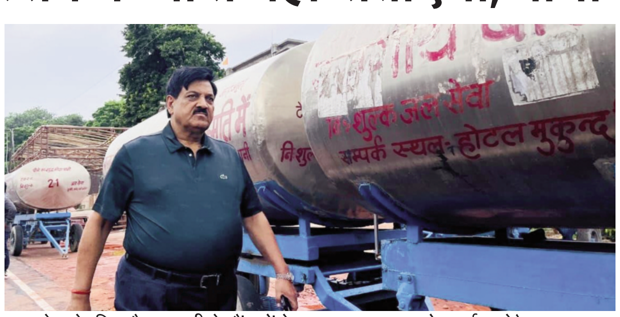

जल सेवा के लिए तैयार पानी के टैंकरों के साथ जलपुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे।

प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि लाला के जन्मोत्सव पर पानी की जितनी आवश्यकता होगी, उतना पानी उपलब्ध कराया जाएगा। किसी भी श्रद्धालु, भंडारा संचालक या सेवा समिति को पानी के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और उनकी सेवा के लिए जगह-जगह भंडारे लगाए जाते हैं। ऐसे आयोजनों में भोजन के साथ पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि जिस भी भंडारे या सेवा शिविर को पानी के टैंकर की जरूरत होगी, वहां तत्काल पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। जन्मोत्सव के दौरान यह सेवा लगातार 24 घंटे जारी रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक स्थानों पर प्याऊ भी संचालित की जाएंगी, जिससे पैदल यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को आसानी से पीने का पानी मिल सके।

प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने भंडारा संचालकों, सेवा समितियों और जरूरतमंद लोगों से पानी की आवश्यकता होने पर संपर्क करने की अपील की। पानी के टैंकर के लिए संतोष शर्मा के मोबाइल नंबर 8218292964 और 8979657515 पर संपर्क किया जा सकता है।

जलपुरुष प्रमोद गर्ग ने संभाली कमान, 24 घंटे मिलेंगे टैंकर

लाला के जन्मोत्सव पर जलसेवा का संकल्प, हर भंडारे तक पहुंचेगा पानी

पति के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, वृंदावन। एक महिला ने पति के लापता होने की रिपोर्ट थाना कोतवाली में दर्ज कराई है। खुशबु पांडेय निवासी ओमेक्स ने पुलिस को बताया कि 26 अगस्त की शाम करीब सात बजे उनके पति दीपक शर्मा अपनी गाड़ी से फ्लैट पर आए थे। उन्होंने अपना मोबाइल कमरे में रखा और इसके बाद कहीं चले गए। काफी तलाश के बावजूद उनका पता नहीं चला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

इंटर स्कूल बैडमिंटन में होनहार शटलरों ने दिखाया दमखम

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित तीसरी इंटर स्कूल अंडर-14 बैडमिंटन प्रतियोगिता में जिले के 10 प्रतिष्ठित विद्यालयों के होनहार खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने बेहतरीन सर्विस, दमदार स्मैश, तेज नेट गेम और खेलभावना से मुकाबलों में रोमांच भर दिया। प्रतियोगिता के समापन पर राजीव इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य नंदिता ढींगरा ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

तीसरी इंटर स्कूल अंडर-14 बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए आरआईएस की प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा।

बालिका वर्ग में राजीव इंटरनेशनल स्कूल की मिस्टी, प्रांजलि और दिव्यांशी ने विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। आर्मी पब्लिक स्कूल की अन्वी सारस्वत, अक्षरा सिंह और याचना कुमारी प्रथम उपविजेता रहीं। कान्हा माखन स्कूल मुख्य शाखा की विदुषी खंडेलवाल, तन्वी और नैंसी ने द्वितीय उपविजेता का स्थान हासिल किया।

बालक वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल के विनय कुमार यादव, देवांश राठी और वेदांश सिंह विजेता बने। सेठ आनंदी राम जयपुरिया स्कूल के आशीष, दिव्यन और नवनीत प्रथम उपविजेता रहे, जबकि माउंट लिट एकेडमी के चमन, माधव और ओमवीर द्वितीय उपविजेता बने। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर आर्मी पब्लिक स्कूल को समग्र विजेता ट्रॉफी प्रदान की गई।

सभी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, पदक और प्रमाणपत्र दिए गए। प्रधानाचार्य नंदिता

बालिका वर्ग में राजीव इंटरनेशनल, बालक वर्ग में आर्मी स्कूल विजेता

ढींगरा ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य बच्चों की खेल प्रतिभा को मंच देना और उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करना है।

आरके एजुकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है।

अनुशासन और नियमित अभ्यास से सफलता हासिल की जा सकती है। विद्यालय के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने खिलाड़ियों को प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, लक्ष वर्मा, साइना नेहवाल और पीवी सिंधू जैसे खिलाड़ियों को आदर्श मानकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कबड्डी के मुकाबले रहे रोमांचक, भिड़े खिलाड़ी

कबड्डी प्रतियोगिता में खेलते खिलाड़ी।

यूनिक समय, छाता। नगला उटावट गांव स्थित मोर्गन पब्लिक स्कूल में कबड्डी प्रतियोगिता हुई। विद्यालय के विभिन्न सदनों और कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए।

प्रधानाचार्य वीरवती देवी ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। कबड्डी जैसे खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना

नगला उटावट स्कूल में कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

विकसित होती है। रहमान खान ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को आपसी प्रेम, मेल-मिलाप और भाईचारे का संदेश देती हैं। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अमरपाल, राधाकृष्ण, रहीमा, राजिम, मुकीम, जैकम, निसार, अख्तर, रहीस और सुलेखा सहित कई लोग मौजूद रहे।

नेपाल में लहराया तिरंगा, भारत बना पहला दक्षिण एशियाई ड्रिपबॉल चैंपियन

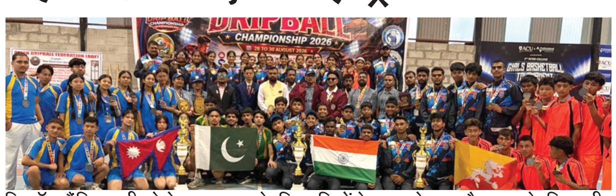

ड्रिपबॉल चैंपियन जीतने के बाद भारत के खिलाड़ियों के साथ नेपाल और पाक के खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। काठमांडू के रॉयल बास्केटबॉल अकादमी, सिद्धिपुर में आयोजित प्रथम दक्षिण एशियाई ड्रिपबॉल चैंपियनशिप का खिताब भारत ने अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, पाकिस्तान और भूटान की राष्ट्रीय टीमों ने हिस्सा लिया। भारतीय खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर टीम ने पहला स्थान हासिल किया। नेपाल उपविजेता और पाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता में वर्ल्ड ड्रिपबॉल के संस्थापक-अध्यक्ष अरविंद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ दक्षिण एशिया ड्रिपबॉल के पदाधिकारी और भारत, नेपाल और पाकिस्तान के प्रतिनिधि भी उपस्थित

काठमांडू में भारत ने जीता खिताब, नेपाल उपविजेता और पाकिस्तान तीसरे स्थान पर

रहे। प्रतियोगिता का संचालन अनुपम सिंह, धीरज, साहिल, भारती रॉय और सुनीता स्वामी की निर्णायक टीम ने किया। चैंपियनशिप के समापन के बाद दक्षिण एशिया ड्रिपबॉल संघ की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से आगामी दक्षिण एशियाई ड्रिपबॉल चैंपियनशिप 2028 का आयोजन श्रीलंका में कराने का निर्णय लिया गया। वर्ल्ड इंटरनेशनल ड्रिपबॉल एसोसिएशन के संस्थापक-अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि दक्षिण एशिया में ड्रिपबॉल का भविष्य उज्ज्वल है। पहली दक्षिण एशियाई चैंपियनशिप का सफल आयोजन इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है।

38वीं क्षेत्रीय हॉकी-फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

यूनिक समय, मथुरा। विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के तत्वावधान में श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित चार दिवसीय 38वीं क्षेत्रीय हॉकी- फुटबॉल प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में ब्रज, मेरठ और उत्तराखंड प्रांतों के विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने अलग-अलग आयु वर्गों में प्रतिभाग किया।

समापन पर विजेता और उपविजेता टीमों के साथ पदाधिकारी आदि।

समापन समारोह का शुभारम्भ डॉ. रोशन लाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित- पुष्पार्पण कर किया। हॉकी के अंडर-14 बालक वर्ग में श्रीजी बाबा मथुरा की टीम प्रथम, नोएडा द्वितीय और पूरनपुर तृतीय रही। अंडर-17 में पीलीभीत प्रथम और श्रीजी बाबा विद्यालय द्वितीय रहा। अंडर-19 में श्रीजी बाबा विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में अंडर-14 की विजेता रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल और अंडर-17 की विजेता नोएडा रही, जबकि अंडर-19 में रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल प्रथम रहा।

फुटबॉल के अंडर-14 बालक वर्ग में नैनीताल प्रथम, एटा द्वितीय और शांतिपुरी तृतीय रहे। अंडर-17 में केशव धाम सरस्वती विद्या मंदिर, वृंदावन विजेता रहा। अंडर-19 में श्रीजी बाबा विद्यालय प्रथम रहा। बालिका वर्ग में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 में श्रीजी बाबा विद्यालय की टीमों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समापन पर विजेता- उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, पदक, प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ. रोशन

विजेता टीमों को किया सम्मानित

लाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित करते हैं। संचालन वरिष्ठ आचार्य उमाशंकर ने किया। सह-खेल संयोजक रवीन्द्र मोहन शर्मा ने आभार व्यक्त किया। वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के उपाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार बंसल, प्रबंधक प्रोफेसर (डॉ.) तेजपाल सिंह, खेल पर्यवेक्षक अशोक कुमार, क्षेत्रीय खेल संयोजक सतपाल सिंह, प्रधानाचार्य हरेन्द्र कुमार सारस्वत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोसी रामलीला संस्थान को मिला नया अध्यक्ष, गिर्राज चौधरी को मिली कमान

श्री रामलीला संस्थान के अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद समर्थकों के साथ गिर्राज चौधरी।

15 पंचों ने किया मतदान, नौ मत पाकर जीते गिर्राज, अजय वार्ष्णेय को मिले छह मत

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामलीला संस्थान के अध्यक्ष पद को लेकर पिछले तीन दिनों से चल रहा दुविधा का वातावरण मंगलवार को दूर हो गया। चुनाव अधिकारी के आवास पर बुलाई गई 15 पंचों की अहम बैठक में मतदान के बाद गिर्राज चौधरी को अध्यक्ष घोषित किया गया।

मंगलवार दोपहर चुनाव अधिकारी विष्णु शर्मा के आवास पर पुलिस मौजूदगी में बैठक हुई। करीब दो घंटे तक चली बैठक में अध्यक्ष पद के दावेदारों के नामों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। पंचों द्वारा सहमति न बनने पर चुनाव अधिकारी द्वारा गिर्राज चौधरी और अजय कुमार वार्ष्णेय के बीच पंचों से मतदान कराया गया, जिसमें गिर्राज चौधरी को नौ मत और अजय वार्ष्णेय को छह मत मिले। तीन मतों से जीत हासिल कर गिर्राज चौधरी रामलीला संस्थान के अध्यक्ष बन गए।

चुनाव अधिकारी विष्णु शर्मा ने बताया कि रविवार को भरत मिलाप चौक पर हनुमान जी के झंडे के नीचे बुलाई गई चुनावी पंचायत में अध्यक्ष पद को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। इसके बाद पंचों ने रामलीला संस्थान के हित को सर्वोपरि रखते हुए मतदान के माध्यम से पंचों से अध्यक्ष का चुनाव कराया। अध्यक्ष का कार्यकाल एक वर्ष तक रहेगा। इस मौके पर कमल किशोर वार्ष्णेय, पं. जगदीश सुपानिया, पूर्व चेयरमैन नरेंद्र कुमार गुर्जर, भगवत प्रसाद रुहेला, सुभाष गोयल, संजीव जाबिया, तरुण सेठ, राजीव अग्रवाल, भानु प्रताप सिंह, चंद्रवर्धन अग्रवाल, सुरेंद्र चौधरी, डॉ. प्रकाश आर्य, सुभाष खरौटिया, श्याम ठाकुर समेत सभी 15 पंच मौजूद रहे, जिन्होंने अपने मत का प्रयोग किया।

नवनियुक्त अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने सभी पंचों का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो रामलीला महोत्सव की जिम्मेदारी मिली है, उसे वह पूरी निष्ठा से निभाएंगे। इस वर्ष की रामलीला को और भव्य और दिव्य बनाया जाएगा।

एक साल का मिला कार्यकाल, 1100 रुपये रखा सदस्यता शुल्क

यूनिक समय, कोसीकलां। चुनाव अधिकारी विष्णु शर्मा ने अध्यक्ष गिर्राज चौधरी को एक वर्ष का कार्यकाल दिया है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष अपने कार्यकाल में रामलीला संस्थान के नए सदस्य बनाएंगे। सदस्यता शुल्क 1100 रुपये रखा गया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में जो भी रामलीला संस्थान के अध्यक्ष पद की दावेदारी करेगा, उसे 31,000 रुपये और मंत्री पद की दावेदारी करने वाले को 21,000 रुपये की राशि रामलीला संस्थान में जमा करनी होगी।

जनसुनवाई में 14 शिकायतें मिली, एक का निस्तारण

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को आयोजित होने वाले 'संभव' संतुष्टि एवं समृद्धि कार्यक्रम के तहत नगर निगम द्वारा जन शिकायतों के त्वरित-प्रभावी निस्तारण के लिए जनसुनवाई की गई। मंगलवार को वृंदावन जोन, भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय और सिटी जोन जनरल गंज कार्यालय में अधिकारियों ने लोगों की शिकायतें सुनीं। वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा, भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में सहायक अभियंता जलकर हेमेंद्र गौतम, सिटी जोन जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता अजय कुमार ने लोगों की शिकायतें सुनीं। भूतेश्वर जोन में कुल पांच शिकायतें प्राप्त हुईं। एक लाइट संबंधी शिकायत का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। वहीं वृंदावन जोन में कुल नौ शिकायतें प्राप्त हुईं। जनसुनवाई के दौरान सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, सहायक अभियंता जल हेमेंद्र गौतम, क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी महेश चंद्र सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद रहे।

सुबह पीएं करी पत्ते का पानी बढ़ाएगा रोग प्रतिरोधक क्षमता

यूनिक समय, मथुरा। बदलते मौसम के साथ बीमारियां तेजी से पांव पसारती हैं। ऐसे में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी का मजबूत होना बहुत जरूरी है। अगर आप भी बार-बार बीमार पड़ते हैं या थकान, अपच और सुस्ती महसूस करते हैं, तो आपके लिए एक नेचुरल और सस्ता उपाय मौजूद है–करी पत्ते का पानी।

करी पत्ता भारतीय रसोई में तड़के के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन इसके औषधीय गुण इसे खास बनाते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए, बी, सी और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं।

हर सुबह खाली पेट करी पत्ते के पानी पीने से न सिर्फ इम्यूनिटी बढ़ती है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी सुधरता है। यह पानी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में भी सहायता मिल सकती है।

पाचन क्रिया को दुरुस्त कर पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे गैस, कब्ज और अपच से राहत मिलती है।

अगर आप दिन की बीमारियों से खुद को बचाना चाहते हैं, तो करी पत्ते का पानी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को भी राहत मिल सकती है। इसमें मौजूद पोषक तत्व ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल लेवल को संतुलित रखने में मदद करते हैं। करी पत्ते का पानी बनाना बेहद आसान है। सबसे पहले 10-15 करी पत्तों को अच्छे से धो लें।

एक पैन में एक गिलास पानी लें और उसमें करी पत्ते डालकर 5-7 मिनट तक उबालें। इसके बाद इसे छान लें और हल्का ठंडा होने पर सुबह खाली पेट पिएं। अगर आप इस हेल्दी आदत को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लें, तो कुछ ही हफ्तों में आपको इसके सकारात्मक परिणाम महसूस होने लगेंगे। करी पत्ते का पानी एक ऐसा घरेलू उपाय है, जो सस्ता भी है और पूरी तरह नेचुरल भी। यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाकर बीमारी से लड़ने की ताकत देता है।

बिहार का चटपटा स्वाद है चने की घुघनी

जो स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल रखे

यूनिक समय, मथुरा। मानसून के मौसम में जब रिमझिम बारिश हो रही हो, तो कुछ गर्म, चटपटा और सेहतमंद खाने का मन करता है। ऐसे में बिहार की पारंपरिक रेसिपी चना घुघनी एक बेहतरीन विकल्प है।

यह न सिर्फ स्वाद में जबरदस्त होती है, बल्कि सेहत के लिहाज से भी भरपूर है। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह नाश्ता कम तेल और मसाले में बनकर तैयार हो जाता है, जिससे यह वेट लॉस करने वालों के लिए भी एक आदर्श डिश बन जाती है।

चना घुघनी बनाने के लिए सबसे पहले काले चने रातभर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अगली सुबह चनों को अच्छी तरह धो लें। इसके बाद दो मध्यम आकार के प्याज को मोटा और लंबा काटें, और तीन से चार हरी मिर्च को दो टुकड़ों में काट लें। अब एक कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें। तेल गरम होने पर उसमें थोड़ा सा जीरा और एक चुटकी हींग डालें। अब इसमें चने, कटे हुए प्याज और मिर्च डाल दें। ऊपर से स्वादानुसार नमक मिलाएं और ढककर कुछ मिनटों तक पकने दें। थोड़ी देर बाद इसे खोलकर एक–दो बार चलाएं और चने को चेक करें। जब चना थोड़ा गल जाए और हाथ से दबाने पर मुलायम लगे, तो समझ लीजिए कि आपकी घुघनी तैयार है। इसे हाई फ्लेम पर पकाएं ताकि प्याज अच्छी तरह भुन जाए और स्वाद में भी तीखापन आ जाए। चना घुघनी को आप नाश्ते में सीधे खा सकते हैं या रोटी के साथ सब्जी की तरह भी परोस सकते हैं। यह कम तेल और मसाले में बनती है, इसलिए यह पाचन के लिए भी अच्छी है। इसे खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जिससे यह वजन नियंत्रित करने वालों के लिए भी फायदेमंद साबित होती है।

इस मानसून, आप भी घर पर बनाएं बिहार की यह देसी डिश और उठाएं गर्मा–गर्म स्वाद का मज़ा, वो भी बिना सेहत से समझौता किए।

अब नहीं रहेंगे पीले दांत!

घर की ये चीजें बना देंगी मुस्कान को मोतियों जैसी

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप दांतों के पीलापन से परेशान हैं और बार–बार टूथपेस्ट या क्लिनिक बदलने के बाद भी संतोषजनक नतीजे नहीं मिल रहे, तो आपके लिए राहत की खबर है। अब दांतों की सफेदी लौटाना बेहद आसान हो सकता है – वो भी बिना किसी महंगे ट्रीटमेंट के, सिर्फ आपकी रसोई में मौजूद 3 चीजों की मदद से।

पहला उपाय है बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण। बेकिंग सोडा प्राकृतिक क्लीनर की तरह काम करता है और नींबू की एसिडिक प्रकृति इसे एक तरह का नेचुरल ब्लीच बना देती है।

थोड़ा–सा बेकिंग सोडा और कुछ बूंदें नींबू मिलाकर तैयार पेस्ट को ब्रश की सहायता से दांतों पर हल्के से रगड़ें। हालांकि इसे हफ्ते में सिर्फ एक या दो बार ही इस्तेमाल करें ताकि दांतों की ऊपरी परत को नुकसान न पहुंचे।

दूसरा उपाय है सरसों का तेल और सेंधा नमक। इस पुराने नुस्खे में सरसों के तेल में नमक मिलाकर दांतों पर मलने से न सिर्फ सफेदी लौटती है बल्कि मसूड़े भी मजबूत होते हैं और दुर्गंध कम होती है।

तीसरा नुस्खा है लकड़ी की राख यानी चारकोल। आजकल बाज़ार में एक्टिवेटेड चारकोल मिल जाता है जो दांतों के बीच जमी गंदगी और दाग–धब्बे हटाने में बेहद असरदार है।

हालांकि इन उपायों के साथ नियमित ब्रशिंग, मीठे व तंबाकू से परहेज और हर 6 महीने में डेंटिस्ट से जांच भी जरूरी है। तभी आपकी मुस्कान सचमुच चमकदार बनी रह सकती है।

बरोट घाटी : भीड़भाड़ से दूर सुकून और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम

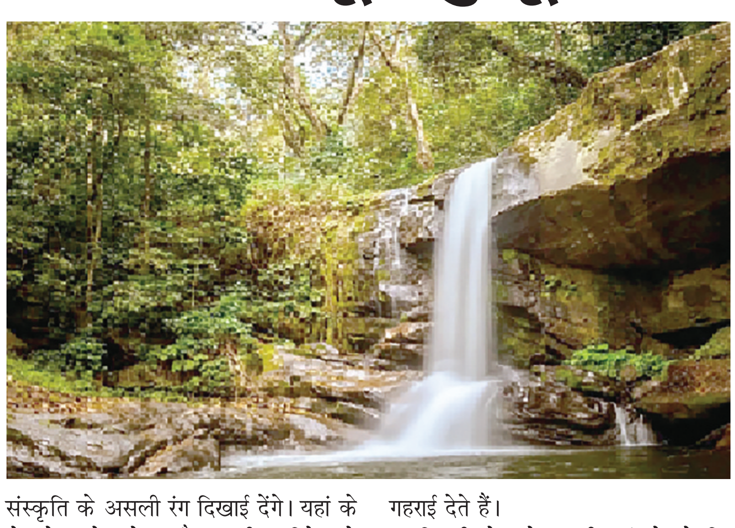

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप बार–बार शिमला, मनाली या मसूरी जैसे भीड़भाड़ वाले हिल स्टेशन से बोर हो गए हैं और कुछ शांत, खूबसूरत और प्राकृतिक जगह की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की बरोट घाटी आपके लिए एक परफेक्ट वीकेंड डेस्टिनेशन बन सकती है। दिल्ली से मात्र 400 किलोमीटर दूर बसी ये घाटी, अपनी सुरम्य वादियों, झरनों की मधुर ध्वनि और देवदार के घने जंगलों से किसी स्वर्ग से कम नहीं लगती। इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की सीमित उपलब्धता यहां के वातावरण को और भी सुकूनभरा बना देती है।बरोट घाटी, हिमाचल के मंडी जिले में स्थित है और इसे 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' भी कहा जाता है। यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है जो अब धीरे–धीरे ट्रैवल लवर्स के बीच लोकप्रिय हो रही है। यहां का वातावरण ठंडा, शांत और सादा है, जहां आपको हिमाचली संस्कृति के असली रंग दिखाई देंगे। यहां के होमस्टे सस्ते, घरेलू और स्थानीय परिवेश से जुड़े होते हैं, जो आपके अनुभव को और गहराई देते हैं।

दिल्ली से बरोट घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले जोगिंदरनगर तक ट्रेन या एचआरटीसी बस से पहुंचना होगा। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से रात की बस लें ताकि आप सुबह तक जोगिंदरनगर पहुंच जाएं। वहां से ब्रेकफास्ट करके स्थानीय बस से बरोट घाटी के लिए निकल सकते हैं। जोगिंदरनगर से बरोट की दूरी मात्र 30 किलोमीटर है और किराया लगभग 80 होता है।

पहला दिन: बरोट घाटी पहुंचने के बाद आप वहां के पुराने ब्रिटिश कालीन डैम को देख सकते हैं, जो अपनी इंजीनियरिंग और सुंदरता से आज भी लोगों को आकर्षित करता है। आसपास के गांवों की सैर करें, जहां पगडंडियों से गुजरते हुए पहाड़ी जीवन को करीब से महसूस किया जा सकता है।

दूसरा दिन: सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात तक ट्रैक करें और झरनों की फुहारों के बीच गरमा–गरम चाय या मैगी का मजा लें। लापास गांव भी जरूर घूमें, जहां देसी पहाड़ी हीटर का अनुभव खास होता है। वापसी में चोकड़ी बारोट वैली होते हुए लौटें, जहां रास्ते में बहती जलधारा और देवदार के जंगल आपके सफर को मंत्रमुग्ध कर देंगे। यहां का ट्राउट फिश फार्म और नेचुरल फ्रीजर जैसे अद्भुत स्थान भी देखने लायक हैं। सबसे खास है 'डॉटर्स हाउस' नामक पुरानी कोठी, जिसे ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार में दी गई थी। अब यह एक आकर्षक टूरिस्ट होमस्टे बन चुका है। बरोट घाटी एक ऐसी जगह है जहां आप दो दिन में भरपूर प्राकृतिक आनंद ले सकते हैं। सस्ती, शांत और सरल यह ट्रिप वीकेंड पर रिफ्रेश होने के लिए परफेक्ट है। अगर आप इस मानसून में कोई सुकूनभरी जगह घूमना चाहते हैं, तो बरोट घाटी को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

सुविचार

समय का सम्मान करो, क्योंकि बीता हुआ समय कभी लौटकर दोबारा नहीं आता।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	07:42-06:13 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी	03:23-02:42 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:09 AM	चन्द्रोदय	09:15 PM
सूर्यास्त		6:45 PM	चंद्रास्त	09:48 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		12:03PM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:33-05:21
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:36 PM: 05:10 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

भादो में खाने की थाली बदलेगी, इन चीजों से बनानी होगी दूरी

बैंगन, मूली समेत कई सब्जियों से परहेज की है परंपरा

मसूर-चना दाल से बचने की भी मान्यता प्रचलित है

यूनिक समय, मथुरा। भाद्रपद मास यानी भादो का महीना शुरू हो चुका है। हिंदू पंचांग में इस महीने को धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व दिया गया है। इसी दौरान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, हरतालिका तीज और ऋषि पंचमी जैसे प्रमुख पर्व मनाए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद में पूजा-पाठ, व्रत और दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। खानपान को लेकर भी इस महीने कुछ परंपराएं बताई गई हैं।

मान्यता है कि भाद्रपद मास में कुछ सब्जियों और दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। इनमें बैंगन, मूली, चुकंदर, खीरा, ककड़ी और कुछ हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल हैं। धार्मिक परंपराओं में इस दौरान सात्विक और ताजा भोजन करने पर जोर दिया जाता है। कई परिवारों में मांसाहार, मदिरा और अन्य तामसिक भोजन से भी परहेज किया जाता है।

भादो में मसूर और चना की दाल नहीं खाने की मान्यता भी कई जगह प्रचलित है। इसके अलावा लंबे समय से रखा हुआ भोजन, अत्यधिक तला-भुना और मसालेदार खाना खाने से बचने की सलाह दी जाती है। बारिश और उमस के मौसम में खाद्य पदार्थ जल्दी खराब हो सकते हैं। ऐसे में दूषित या अस्वच्छ भोजन पेट संबंधी परेशानी का कारण बन सकता है।

इस महीने घर का बना ताजा और हल्का भोजन बेहतर माना जाता है। मूंग और अरहर की दाल, मौसमी फल तथा पर्याप्त पानी को भोजन में शामिल किया जा सकता है। व्रत रखने वाले लोग अपनी परंपरा के अनुसार फल, दूध, दही, मखाना, साबूदाना, कुट्टू और सिंघाड़े के आटे से बने व्यंजन ले सकते हैं। धार्मिक खानपान की मान्यताएं अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों में भिन्न हो सकती हैं। इसलिए इन्हें धार्मिक परंपरा के रूप में ही देखा जाना चाहिए। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर चिकित्सकीय सलाह को प्राथमिकता देना उचित है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, नई जिम्मेदारी मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक लाभ होगा, परिवार में खुशियां बनी रहेंगी।

वृषभ: कल व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा और स्वास्थ्य अच्छा।

मिथुन: कल रुके हुए काम पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कर्क: कल परिवार में खुशी का माहौल रहेगा, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें ।

सिंह: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा, महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सफलता मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा, नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है और सम्मान मिलेगा।

कन्या: कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, आर्थिक लाभ के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

तुला: कल कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं सामने आएंगी, व्यापार में लाभ मिलेगा।

वृश्चिक: कल कार्यक्षेत्र में चुनौतियां रहेंगी, लेकिन मेहनत से सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

धनु: कल नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, व्यापारियों को लाभ होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगों।

मकर: कल कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध अच्छे होंगे और सहयोग मिलेगा।

कुंभ: कल नई योजनाओं पर काम शुरू करेंगे, धन लाभ के योग हैं। मित्रों से मुलाकात होगी, स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही से बचें ।

मीन: कल रुके हुए कार्य पूरे होंगे, व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा, निवेश करते समय अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

वृन्दावन के डॉक्टर हनुमान मंदिर में मिलती है शारीरिक और मानसिक पीड़ा से राहत

दावानल कुंड के पास चालीस साल पुराना है मंदिर

सात मंगलवार दर्शन से मिलती है राहत

भक्तों की आस्था से जुड़ी हैं कई कथाएं

यूनिक समय, वृन्दावन। धार्मिक नगरी वृन्दावन में दावानल कुंड के समीप स्थित डॉक्टर हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। करीब 40 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान हनुमान को डॉक्टर हनुमान के रूप में पूजा जाता है।

मान्यता है कि यहां सच्चे मन से प्रार्थना करने वाले भक्तों को शारीरिक और मानसिक पीड़ा से राहत मिलती है। मंदिर की खास पहचान यहां होने वाली सात मंगलवार की साधना से जुड़ी है। श्रद्धालुओं के बीच मान्यता है कि लगातार सात मंगलवार दर्शन और पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं तथा परेशानियों से मुक्ति मिलती है। इसी विश्वास के चलते दूर-दराज से लोग यहां पहुंचते हैं।

मंदिर से जुड़ी कई ऐसी कथाएं भी श्रद्धालुओं के बीच प्रचलित हैं, जिनमें भक्तों को बीमारी और परेशानी से राहत मिलने की बात कही जाती है। मंदिर के पुजारी योगीराज के अनुसार, हनुमान जी अपने भक्तों को उनकी श्रद्धा के अनुरूप फल देते हैं। उनका विश्वास है कि सच्ची भक्ति से मन को शांति और संबल मिलता है।

वृन्दावन आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह मंदिर धार्मिक विश्वास और मानसिक संतोष का स्थल बन चुका है। हालांकि बीमारी की स्थिति में चिकित्सकीय उपचार जरूरी है, मंदिर से जुड़ी चमत्कारों की बातें श्रद्धालुओं की आस्था और व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित हैं।

जमीन पर ऑफिस बैग रखना पड़ सकता है भारी

वास्तु में बैग रखने के बताए गए हैं नियम

सही जगह रखने से बनी रहती है सकारात्मकता

यूनिक समय, मथुरा। ऑफिस से घर लौटने के बाद लोग अक्सर बैग कहीं भी रख देते हैं। कई बार इसे सीधे जमीन पर रख दिया जाता है। वास्तु शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार ऑफिस बैग को फर्श पर रखना शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि कामकाज से जुड़ा बैग आय, करियर और समृद्धि का प्रतीक होता है।

वास्तु के अनुसार बैग को जमीन पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। इससे आर्थिक मामलों में रुकावट और अनावश्यक खर्च बढ़ने की आशंका मानी जाती है। इसलिए बैग को मेज, अलमारी, खूंटी या किसी साफ और ऊंचे स्थान पर रखना शुभ माना जाता है।

वास्तु मान्यताओं में ऊंचाई को सफलता और उन्नति का प्रतीक माना गया है। इसी कारण कार्यालय से जुड़ी वस्तुओं को व्यवस्थित रखने की सलाह दी जाती है। बैग को साफ-सुथरा रखना और उसमें अनावश्यक कागज या सामान जमा नहीं करना भी बेहतर माना जाता है।

मान्यता है कि बैग को फर्श पर रखने से कार्यक्षेत्र में बाधाएं और नकारात्मकता बढ़ सकती है। हालांकि, ये बातें वास्तु संबंधी मान्यताओं पर आधारित हैं, इनका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

भगवान शिव की सीख, धन और पद से बड़ी होती है विनम्रता

सफलता मिलने पर अहंकार नहीं, सेवा भाव अपनाएं

कुबेर को समझ आया दिखावे से नहीं मिलता सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव की पूजा के साथ उनकी कथाओं का श्रवण और मनन भी शुभ माना जाता है। शिव से जुड़ी कथाएं जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देती हैं। भगवान शिव, गणेश और कुबेर से जुड़ी एक कथा धन, पद और सफलता के साथ विनम्र बने रहने का संदेश देती है।

कथा के अनुसार, देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर के पास अपार धन-संपत्ति थी। धीरे-धीरे उन्हें अपने धन और पद पर अभिमान होने लगा। उन्हें लगने लगा कि उनसे अधिक संपन्न और शक्तिशाली कोई नहीं है। इसी अहंकार में उन्होंने भगवान शिव को परिवार सहित भोजन का निमंत्रण दिया।

भगवान शिव कुबेर की भावना समझ गए। उन्होंने कहा कि दिखावे के लिए भोजन कराने से बेहतर है जरूरतमंदों को भोजन कराना। हालांकि कुबेर अपनी बात पर अड़े रहे। तब शिव ने स्वयं जाने के बजाय गणेश जी को भेजने की बात कही और बताया कि गणेश जल्दी तृप्त नहीं होते।

कुबेर ने इसे अपनी संपन्नता की परीक्षा समझ लिया। उन्होंने गणेश के लिए अनेक प्रकार के व्यंजन तैयार करवाए। गणेश जी भोजन करते गए, लेकिन उनकी भूख शांत नहीं हुई। देखते ही देखते महल का सारा भोजन समाप्त हो गया। परेशान कुबेर भगवान शिव के पास पहुंचे और अपनी गलती स्वीकार की।

इसके बाद शिव ने माता पार्वती से गणेश के लिए भोजन लाने को कहा। माता पार्वती ने प्रेमपूर्वक भोजन कराया और गणेश जी तृप्त हो गए। यह देखकर कुबेर को अपने अहंकार का एहसास हुआ। उन्होंने भगवान शिव से क्षमा मांगी और भविष्य में धन-पद का घमंड न करने का संकल्प लिया।

यह प्रसंग बताता है कि धन और पद स्थायी नहीं होते। परिस्थितियां बदलने में समय नहीं लगता, लेकिन विनम्र व्यवहार व्यक्ति का सम्मान लंबे समय तक बनाए रखता है। सफलता मिलने पर दूसरों को छोटा समझने के बजाय जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

अपनी उपलब्धियों का श्रेय अकेले लेने के बजाय परिवार, मित्रों, शिक्षकों और सहयोगियों के योगदान को स्वीकार करना चाहिए। गलती होने पर उसे मान लेना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है। सादगी, सेवा और अच्छे व्यवहार को जीवन का हिस्सा बनाकर व्यक्ति सच्चे अर्थों में सम्मान हासिल कर सकता है।

सम्पादकीय

नए नोटों का बाजार गरम बैंक से कालाबाजारी

कभी एक रुपये का नोट देखकर बच्चे खुश हो जाते थे। अब वही एक रुपये के सौ नोट अगर 2700 रुपये में मिलें तो खुशी से पहले सवाल पैदा होगा–आखिर नोटों में ऐसा क्या खास हो गया? मामला किसी दुर्लभ वस्तु का नहीं, बल्कि नए और चमचमाते नोटों का है। बाजार में इन दिनों नए नोटों की ऐसी 'मंडी' सजती दिखाई दे रही है, जहां नोट की कीमत उसके अंकित मूल्य से नहीं, बल्कि उसकी ताजगी से तय हो रही है।

कानपुर में सामने आया मामला इस पूरे खेल की गंभीरता बताता है। दस रुपये के सौ नए नोटों की गड्डी के लिए 1370 रुपये, बीस रुपये की गड्डी के लिए 2480 रुपये और एक रुपये के सौ नोटों के लिए 2700 रुपये तक मांगे जा रहे हैं। यानी नोट जेब में पहुंचने से पहले ही अपना 'बाजार भाव' बना चुके हैं। दुकानदार का दावा है कि ये नए नोट बैंक से ही 'काले में' खरीदे जाते हैं। यदि यह दावा सही है तो सवाल केवल दुकानदार से नहीं, उस व्यवस्था से भी होना चाहिए जहां आम आदमी को अपने ही पैसे के नए नोट पाने के लिए अतिरिक्त रकम चुकानी पड़े। यह विडंबना कम दिलचस्प नहीं कि जिस नोट पर उसका मूल्य एक रुपये लिखा है, बाजार उसे 27 रुपये का एक नोट बनाकर बेच रहा है। दस रुपये का नोट भी अपनी कीमत से कई गुना महंगा बिक रहा है। मानो नोट नहीं, कोई संग्रहणीय वस्तु हो जिसकी चमक के साथ उसकी बोली बढ़ती जाती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि नए नोट आखिर पहुंचते कहां से हैं? बैंक में आम ग्राहक को जरूरत के मुताबिक नए नोट आसानी से नहीं मिलते, लेकिन बाजार में उनकी गड्डियां तैयार मिल जाती हैं। यह अंतर व्यवस्था में मौजूद किसी छेद की ओर इशारा करता है। यदि बैंक से नोटों की आपूर्ति होती है तो उनकी निगरानी और वितरण व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह भी समझना होगा कि नए नोटों की मांग केवल शौक नहीं है। शादी–ब्याह, धार्मिक आयोजन, उपहार और शुभ अवसरों पर लोग नए नोट चाहते हैं। इसी भावनात्मक मांग को कुछ लोग कमाई का अवसर बना लेते हैं। फिर शुरू होता है कमी पैदा करने और अधिक दाम वसूलने का खेल। व्यंग्य यह है कि डिजिटल भुगतान के दौर में भी कागजी नोटों की 'ताजगी' का कारोबार चल रहा है। तकनीक ने लेन–देन बदल दिया, लेकिन नोटों की गड्डियों के पीछे चलने वाला लालच पुराना ही है। जरूरत है कि बैंक और संबंधित विभाग इस मामले की गंभीरता से जांच करें। कौन–से रास्ते से नए नोट बाजार तक पहुंच रहे हैं, कौन इन्हें जमा कर रहा है और किस स्तर पर इनकी कीमत तय हो रही है–इन सवालों के जवाब जरूरी हैं। क्योंकि बात केवल एक रुपये के नोट की नहीं है। सवाल उस भरोसे का है, जिसके आधार पर आम आदमी बैंक को अपना पैसा सौंपता है। अगर बैंक से निकलने वाला नया नोट बाजार में पहुंचते–पहुंचते कई गुना महंगा हो जाए, तो यह केवल नोटों की बिक्री नहीं, व्यवस्था की विश्वसनीयता की नीलामी है। नोट पर मूल्य सरकार लिखती है, लेकिन बाजार में उसका भाव कौन लिख रहा है–इसका हिसाब अब होना ही चाहिए।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

नौकरियां घट रहीं, फिर भी बढ़ रही है अर्थव्यवस्था

बोध प्रकाश सगुणी

दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं के सामने इन दिनों एक ऐसा विरोधाभास खड़ा है, जिसे केवल सकल घरेलू उत्पाद, शेयर बाजार या विकास दर के आंकड़ों से समझना मुश्किल है। एक ओर अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ती दिखाई दे रही है, दूसरी ओर बड़ी संख्या में युवाओं के सामने रोजगार का संकट गहराता जा रहा है। बाजार में पैसा है, कंपनियों के मुनाफे में वृद्धि है और संपत्ति का आकार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन काम की तलाश में भटक रहे युवाओं के लिए यह तस्वीर उतनी चमकदार नहीं है। यही वह अंतर है, जो आज की आर्थिक व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

भारत इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। देश में आर्थिक वृद्धि की तस्वीर उत्साहजनक दिखाई देती है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो रही है, लेकिन दूसरी तरफ शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा नहीं हो पा रहे। कॉलेज और विश्वविद्यालयों से निकलने वाली नई पीढ़ी के सामने डिग्री तो है, लेकिन उसके अनुरूप नौकरी नहीं। युवा बेरोजगारी दर में वृद्धि इस चिंता को और गंभीर बनाती है। ऐसे में सवाल केवल यह नहीं है कि अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है, बल्कि यह भी है कि उस वृद्धि का लाभ आखिर कितने लोगों तक पहुंच रहा है?

यही वह जगह है जहां आर्थिक आंकड़ों की चमकदार तस्वीर और जमीन की हकीकत अलग–अलग दिखाई देने लगती है। यदि किसी देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही हो, लेकिन उस वृद्धि से समाज के बड़े हिस्से की आय, रोजगार और जीवन स्तर में सुधार न हो रहा हो, तो विकास के अर्थ पर सवाल उठना स्वाभाविक है। विकास का असली उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में स्थायी सुधार लाना होना चाहिए।

इसी संदर्भ में 'गेटेड मंदी' की अवधारणा बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। इसका अर्थ ऐसी आर्थिक स्थिति से है, जिसमें समाज का एक हिस्सा मंदी, बेरोजगारी और आय में कमी से जूझ रहा हो, जबकि दूसरा हिस्सा लगातार समृद्ध होता जा रहा हो। आंकड़ों में अर्थव्यवस्था मजबूत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर अलग–अलग वर्गों के अनुभव बिल्कुल विपरीत होते हैं। मानो समृद्ध लोगों ने अपने चारों ओर ऐसी दीवार खड़ी कर ली हो, जिसके बाहर आर्थिक कठिनाइयां हैं और भीतर संपन्नता लगातार बढ़ रही है।

भारत में निम्न–मध्यम वर्ग के परिवार इस स्थिति को सबसे अधिक महसूस कर सकते हैं। खासकर वे परिवार, जिन्होंने वर्षों तक अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च किया और उम्मीद की कि पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्हें अच्छी नौकरी मिलेगी। जब पढ़ा–लिखा युवा लंबे समय तक रोजगार की तलाश करता है और परिवार की आय पर निर्भर रहता है, तब आर्थिक विकास के बड़े आंकड़े उसके लिए बहुत मायने नहीं रखते। उसके लिए अर्थव्यवस्था का मतलब नौकरी, नियमित आय और भविष्य की सुरक्षा है।

यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी श्रम बाजार के भीतर गंभीर बदलाव दिखाई दे रहे हैं। वहां नौकरियों में कमी के बावजूद बेरोजगारी दर में गिरावट जैसी स्थिति सामने आ सकती है। इसका कारण आंकड़ों की परिभाषा में छिपा है। जो व्यक्ति सक्रिय रूप से नौकरी तलाशना छोड़ देता है, वह कई परिस्थितियों में बेरोजगारों की आधिकारिक गणना से बाहर हो जाता है। इसलिए बेरोजगारी दर कम दिखाई दे सकती है, जबकि वास्तव में बड़ी संख्या में लोग काम की तलाश से ही बाहर हो चुके हों।

इस विरोधाभास का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि श्रम बाजार कमजोर होने की खबरों के बीच भी शेयर बाजार तेजी दिखा सकता है। यह अपने आप में बताता है कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में श्रम से मिलने वाली आय और संपत्ति से मिलने वाली आय के बीच दूरी कितनी बढ़ गई है। जिन लोगों की आर्थिक सुरक्षा नौकरी और मजदूरी पर निर्भर है, उनके लिए रोजगार संकट चिंता का विषय है। वहीं जिनकी आय शेयर, निवेश और कंपनियों के मुनाफे से आती है, उनके लिए वही समय संपत्ति बढ़ाने का अवसर बन सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस बदलाव को और तेज कर सकती है। तकनीक का विरोध करना समाधान नहीं है। नई तकनीकों से उत्पादकता बढ़ती है, नए उद्योग पैदा होते हैं और आर्थिक क्षमता का विस्तार होता है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति का लाभ कुछ कंपनियों और कुछ लोगों तक सीमित रह गया, तो आर्थिक असमानता और गहरी हो सकती है। चुनौती तकनीक को रोकने की नहीं, बल्कि उसके लाभ को व्यापक समाज तक पहुंचाने की है।

इसके लिए सरकारों को रोजगार, शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी नीतियों पर नए सिरे से विचार करना होगा। केवल आर्थिक वृद्धि की दर को सफलता का पैमाना मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह देखना भी जरूरी है कि नई नौकरियां कितनी पैदा हुईं, मजदूरी कितनी बढ़ी, युवाओं को कितने अवसर मिले और आर्थिक विकास से समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति में कितना सुधार आया।

धन और आय की बढ़ती असमानता से निपटने के लिए कर व्यवस्था में भी अधिक न्यायपूर्ण दृष्टिकोण की जरूरत है। अत्यधिक संपत्ति और विरासत पर उचित कर व्यवस्था से सरकारों को ऐसे संसाधन मिल सकते हैं, जिन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन और सामाजिक सुरक्षा पर खर्च किया जा सकता है। इससे आर्थिक वृद्धि के लाभ का दायरा बढ़ाया जा सकता है।

आखिरकार किसी भी अर्थव्यवस्था की असली सफलता शेयर बाजार की ऊंचाई या विकास दर के आंकड़े से नहीं तय होनी चाहिए। सफलता तब मानी जाएगी, जब सामान्य परिवार को बेहतर रोजगार मिले, युवा अपनी शिक्षा के अनुरूप काम पा सकें और मेहनत करने वाले व्यक्ति को आगे बढ़ने का वास्तविक अवसर मिले।

आज सबसे बड़ी जरूरत इसी आर्थिक दीवार को पहचानने की है। एक तरफ बढ़ती संपत्ति और दूसरी तरफ घटते रोजगार के बीच यदि दूरी लगातार बढ़ती गई, तो चमकदार आर्थिक आंकड़े भी सामाजिक बेचैनी को नहीं छिपा पाएंगे। विकास वही सार्थक है, जिसकी रोशनी समाज के हर हिस्से तक पहुंचे। वरना अर्थव्यवस्था बढ़ती रहेगी और लोगों का भरोसा पीछे छूटता जाएगा।

विचार विंडो

अच्छा बोलना सीखें, अच्छा सुनना भी बने साधना

राम प्रकाश वर्मा

मनुष्य ने विज्ञान की मदद से बाहरी दुनिया को सुनने और समझने के लिए अनेक साधन विकसित कर लिए हैं, लेकिन विडंबना यह है कि वह अपने भीतर उठ रही आवाज को सुनना भूलता जा रहा है। कानों तक पहुंचने वाली आवाजों की दुनिया लगातार शोर से भरती जा रही है और मन के भीतर उठने वाली उस सूक्ष्म ध्वनि से हमारा संपर्क कमजोर होता जा रहा है, जो हमें सही और गलत का बोध करा सकती है। आज जरूरत केवल ध्वनि प्रदूषण रोकने की नहीं, बल्कि बोलने और सुनने की संस्कृति को भी सुधारने की है।

भारतीय चिंतन परंपरा में ध्वनि को केवल आवाज नहीं माना गया। इसे सृष्टि के मूल तत्वों में से एक माना गया है। 'नाद–ब्रह्म' की अवधारणा इसी गहरी अनुभूति से जुड़ी है। इसका आशय है कि ध्वनि में भी एक ऐसी शक्ति मौजूद है, जो मनुष्य को अपने भीतर की चेतना से जोड़ सकती है। प्रकृति के पंचतत्वों की तरह ध्वनि भी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। आकाश का संबंध ध्वनि से माना गया है और हमारे भीतर भी एक ऐसा आकाश है, जहां विचार, भावनाएं और चेतना निरंतर अपना संवाद करती रहती हैं।

समस्या यह है कि हमारा बाहरी जीवन इतना शोरगुल से भर गया है कि भीतर की आवाज सुनाई ही नहीं देती। सड़क पर वाहनों का शोर, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में तेज आवाज, बाजारों की चिल्ल–पों, मशीनों की ध्वनि और हर समय चलती बातचीत ने हमारे आसपास एक ऐसा वातावरण बना दिया है, जिसमें मौन के लिए

जगह लगातार कम होती जा रही है। हम बाहर की आवाजें सुनते हैं, लेकिन भीतर उठने वाले सवालों से बचते रहते हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो भीतर का मौन किसी खालीपन का नाम नहीं है। बल्कि यही मौन मनुष्य को स्वयं से मिलने का अवसर देता है। जब मन कुछ देर के लिए बाहरी शोर से मुक्त होता है, तब व्यक्ति अपने विचारों को स्पष्ट रूप से देख सकता है। उसे अपनी गलतियां दिखाई देती हैं, अपनी कमजोरियों का अहसास होता है और कई बार उन सवालों के उत्तर भी मिलने लगते हैं, जिनसे वह लंबे समय से भाग रहा होता है।

आज हमारे सामाजिक जीवन में एक और प्रकार का प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है–वाणी का प्रदूषण। शब्द दिखाई नहीं देते, लेकिन उनका प्रभाव बहुत गहरा होता है। एक कठोर वाक्य रिश्ते में दरार डाल सकता है और एक प्रेमपूर्ण शब्द टूटे हुए मन को सहारा दे सकता है। घरों में होने वाले विवाद हों या समाज में बढ़ती कटुता, इनके पीछे अक्सर शब्दों का गलत इस्तेमाल ही होता है।

हम बोलने को अपनी स्वतंत्रता मानते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि बोलने की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। हर बात कह देना जरूरी नहीं होता। हर सत्य भी उसी क्षण और उसी भाषा में कहना उचित नहीं होता। कई बार बात सही होती है, लेकिन कहने का तरीका उसे गलत बना देता है। इसलिए अच्छा बोलना केवल मीठे शब्दों का प्रयोग करना नहीं, बल्कि सामने वाले की परिस्थिति, भावनाओं और सम्मान का ध्यान रखना भी है।

लेकिन बात केवल बोलने तक सीमित नहीं है। अच्छा सुनना उससे भी बड़ी कला है। आज हर व्यक्ति अपनी बात कहना चाहता है, लेकिन दूसरे की बात सुनने का धैर्य कम होता जा रहा है। बातचीत के दौरान भी लोग जवाब तैयार करते रहते हैं, सामने वाले की बात समझने की कोशिश कम करते हैं। इससे संवाद धीरे–धीरे विवाद में बदल जाता है।

अच्छा सुनने वाला व्यक्ति केवल शब्द नहीं सुनता, वह शब्दों के पीछे छिपे भाव को भी समझने का प्रयास करता है। कई बार सामने वाला व्यक्ति समाधान नहीं, केवल किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहा होता है जो उसकी बात बिना निर्णय सुन सके। परिवारों में कई तनाव केवल इसलिए बढ़ जाते हैं क्योंकि लोग एक–दूसरे को सुनना बंद कर देते हैं।

इसलिए 'अच्छा बोलें और अच्छा सुनें' को केवल शिष्टाचार का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसे जीवन की आध्यात्मिक साधना का हिस्सा बनाना चाहिए। जैसे हम स्वच्छता के लिए अभियान चलाते हैं, वैसे ही वाणी और व्यवहार की स्वच्छता के लिए भी अभियान की जरूरत है। बच्चों को छोटी उम्र से सिखाया जाना चाहिए कि शब्दों का चयन कैसे करें, असहमति कैसे व्यक्त करें और किसी की बात धैर्य से कैसे सुनें।

हर व्यक्ति अपने स्तर पर इस अभियान की शुरुआत कर सकता है। दिन में कुछ समय मौन में बैठना, प्रतिक्रिया देने से पहले कुछ क्षण रुकना, क्रोध में शब्दों को नियंत्रित करना और सामने वाले की बात पूरी होने तक धैर्य रखना–ये छोटी आदतें बड़े बदलाव ला सकती हैं।

प्रकृति ने हमें दो कान और एक मुंह दिया है। शायद इसका एक संदेश यह भी है कि हमें बोलने से अधिक सुनना चाहिए। बाहरी दुनिया के शोर को कम करना जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है अपने भीतर के शोर को शांत करना। जब भीतर शांति होगी, तो शब्दों में भी करुणा आएगी और सुनने में भी संवेदना।

आज आवश्यकता ऐसे आध्यात्मिक अभियान की है, जो मंदिरों और आश्रमों तक सीमित न रहे, बल्कि घरों, विद्यालयों, कार्यालयों और समाज के हर हिस्से तक पहुंचे। अच्छी वाणी रिश्ते जोड़ सकती है, अच्छा श्रवण मन जोड़ सकता है और भीतर का मौन मनुष्य को स्वयं से जोड़ सकता है। यही शायद उस आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत है, जिसकी तलाश हम बाहर करते रहते हैं।

वैभव सूर्यवंशी का फ्लॉप शो

रंग में आते ही यश ठाकुर ने कर दिया खेल खत्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पहली पारी में शानदार 92 रन बनाकर रिकॉर्ड बनाने वाले वैभव दूसरी पारी में 43 गेंदों पर 40 रन बनाकर आउट हो गए। जीत के लिए 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव ने शुरुआत में काफी धीमी बल्लेबाजी की, लेकिन जैसे ही उन्होंने अपने हाथ खोलने शुरू किए, यश ठाकुर ने उनकी पारी का अंत कर दिया। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए थे, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने महज 81 गेंदों पर 92 रन की शानदार पारी खेली थी। वह अपने शतक से सिर्फ 8 रन दूर रह गए थे। हालांकि, इस पारी के दौरान उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वैभव दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए और उन्होंने करीब 57 साल पुराने लक्ष्मण सिंह के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। दूसरी ओर, सेंट्रल जोन ने भी अपनी पहली पारी में 266 रन बनाए, जिससे दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा। इसके बाद सेंट्रल जोन ने दूसरी पारी में 158 रन बनाए और ईस्ट जोन के सामने जीत के लिए 159 रनों का लक्ष्य रखा। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरे वैभव से एक बार फिर धमाकेदार बल्लेबाजी की उम्मीद थी, लेकिन वह शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। पहली 20 गेंदों तक उनके बल्ले से कोई चौका या छक्का नहीं आया। 21वीं गेंद पर उन्होंने अपना पहला छक्का लगाया। 13 ओवर पूरे होने तक वैभव 37 गेंदों पर सिर्फ 22 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने अचानक आक्रामक रुख अपनाया और 14वें ओवर की पहली चार गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का जड़ दिया। यह ओवर यश ठाकुर कर रहे थे। वैभव की बल्लेबाजी देखकर लग रहा था कि अब वह तेजी से रन बनाकर मैच का रुख बदल सकते हैं, लेकिन इसी ओवर की आखिरी गेंद पर उनका खेल खत्म हो गया। बड़े शॉट के प्रयास में गेंद बल्ले पर सही तरीके से नहीं आई और हवा में चली गई। सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार कैच पकड़कर वैभव को पवेलियन भेज दिया। इस तरह वैभव ने 43 गेंदों पर 40 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल रहे।

हाथ में भाला और खून से लथपथ अवतार में रश्मिका मंदाना

‘मैसा’ की रिलीज डेट का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही बड़े पर्दे पर अपने करियर के अब तक के सबसे अलग और खतरनाक अवतार में नजर आने वाली हैं। उनकी बहुचर्चित पैन–इंडिया एक्शन थ्रिलर फिल्म ‘मैसा’ की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी उत्सुकता बनी हुई थी और अब रिलीज डेट सामने आने के साथ रश्मिका के फैंस का इंतजार भी खत्म हो गया है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए रश्मिका के किरदार की पहली दमदार झलक दिखाई है। पोस्टर में अभिनेत्री बेहद उग्र और आक्रामक अंदाज में नजर आ रही हैं। उनके हाथ में भाला दिखाई दे रहा है, जबकि उनका चेहरा और कपड़े खून से लथपथ नजर आते हैं। यह लुक साफ तौर पर संकेत देता है कि फिल्म में रश्मिका का किरदार जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखाई देगा। निर्माताओं के मुताबिक, उनका किरदार स्वभाव से सहनशील, अपनी पसंद से निडर और आत्मा से बेहद मजबूत है। ‘मैसा’ को आदिवासी पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावनात्मक और रोमांचक एक्शन फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म की कहानी आदिवासी क्षेत्रों, वहां की सांस्कृतिक जड़ों और संघर्ष से जुड़ी हुई है। इसमें दर्शकों को जबरदस्त फाइट सीक्वेंस, खतरनाक स्टंट और भावनाओं से भरपूर कहानी देखने को मिलेगी। फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट भी बड़े स्तर पर तैयार किया गया है, जिससे दर्शकों को एक बिल्कुल अलग दुनिया का अनुभव मिलने की उम्मीद है। इससे पहले जून 2026 में फिल्म का पहला पोस्टर सामने आया था। उसमें रश्मिका चेहरे पर खून के निशान, खुले बाल और हाथ में तलवार लिए बेहद आक्रामक अंदाज में दिखाई दी थीं। अभिनेत्री ने भी इस भूमिका को अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण और अलग अनुभवों में से एक बताया था। ‘मैसा’ का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं और फिल्म का निर्माण अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्मों की लिस्ट में ‘रणबाली’ भी शामिल है, जिसमें वह विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हालांकि, फिलहाल सबसे ज्यादा चर्चा ‘मैसा’ को लेकर है। अब 27 नवंबर 2026 को दर्शक रश्मिका को पहली बार इतने खतरनाक और जबरदस्त एक्शन अवतार में देखने के लिए तैयार हैं।

सात विकेट लिए, लेकिन 14 नो बॉल ने बढ़ाई मुकेश की मुश्किलें

ईस्ट जोन के तेज गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में ईस्ट जोन ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और टीम के गेंदबाजों से लेकर बल्लेबाजों तक सभी ने अहम योगदान दिया है। ईस्ट जोन के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार मुकाबले में टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 7 विकेट अपने नाम किए। हालांकि, इस दौरान उनकी गेंदबाजी में एक बड़ी कमी भी देखने को मिली। मुकेश कुमार ने पूरे मैच में कुल 14 नो बॉल फेंक दीं, जिसके कारण ईस्ट जोन के कप्तान भी काफी निराश नजर आए।

मुकेश कुमार ने पहली पारी में 16 ओवर गेंदबाजी की और 56 रन खर्च करते हुए 3 विकेट हासिल किए। हालांकि, इस दौरान उन्होंने 6 नो बॉल और एक वाइड गेंद भी फेंकी। दूसरी पारी में भी उनकी गेंदबाजी में यही समस्या देखने को मिली। उन्होंने 12 ओवर गेंदबाजी करते हुए 44 रन दिए और 4 विकेट अपने नाम किए। इस पारी में उन्होंने 8 नो बॉल और 2 वाइड गेंदें फेंकीं। इस तरह दोनों पारियों को मिलाकर मुकेश ने कुल 14 नो बॉल और 3 वाइड गेंदें फेंकीं। इतनी ज्यादा नो बॉल एक ही मैच में देखने को मिलना काफी दुर्लभ है। हालांकि, इसके बावजूद 7 विकेट हासिल करना उनके प्रदर्शन का मजबूत पक्ष रहा। मैच की बात करें तो सेंट्रल जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 266 रन बनाए। टीम की ओर से रिंकू सिंह ने अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि आर्यन जुयाल ने 46 रन बनाए। इसके जवाब में ईस्ट जोन ने भी शानदार बल्लेबाजी की और वैभव सूर्यवंशी तथा अभिमन्यु ईश्वरन की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 266 रन बनाए। इस तरह पहली पारी के बाद दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा।

वैभव सूर्यवंशी ने इस दौरान दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। दूसरी पारी में सेंट्रल जोन की टीम 50.2 ओवर में 158 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस पारी में अमन मोखडे टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 89 गेंदों में 40 रन बनाए। उनके अलावा अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन का योगदान दिया। सेंट्रल जोन का कोई भी बल्लेबाज दूसरी पारी में अर्धशतक नहीं लगा सका। अब ईस्ट जोन के सामने फाइनल में जगह बनाने के लिए 159 रन का लक्ष्य है। मुकेश कुमार के 7 विकेट के दम पर ईस्ट जोन मजबूत स्थिति में दिखाई दे रहा है, लेकिन उनकी 14 नो बॉल चर्चा का बड़ा विषय बनी हुई हैं।

कौन हैं ‘हनुमान अंश’ के अभिनेता शोभिनव सत्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म ‘हनुमान अंश’ इन दिनों सिनेमाघरों में दर्शकों की खूब पसंद बन रही है। महान संत नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित इस फिल्म से अभिनेता शोभिनव सत्य ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। फिल्म में उनके अभिनय, सादगी और सहज भाव–भंगिमा की दर्शक जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म की शुरुआत भले ही सामान्य रही हो, लेकिन धीरे–धीरे यह दर्शकों की पसंद बन गई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। शोभिनव सत्य ने फिल्म में नीम करोली बाबा के जीवन और व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। फिल्म में उत्तर प्रदेश के अकबरपुर गांव के लक्ष्मण नारायण शर्मा की कहानी दिखाई गई है, जो आगे चलकर अपनी साधना और सेवा के कारण नीम करोली बाबा के नाम से प्रसिद्ध हुए। शोभिनव ने बाबा की वेशभूषा के साथ उनके हाव–भाव, सादगी और सौम्यता को भी पर्दे पर सहज तरीके से प्रस्तुत किया है। शोभिनव का जन्म और पालन–पोषण लखनऊ में हुआ। अभिनय और फिल्म निर्माण की बारीकियां सीखने के लिए उन्होंने लखनऊ के एक अभिनय संस्थान से प्रशिक्षण लिया और बाद में पुणे स्थित फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान से फिल्म निर्माण की तकनीक समझी। हालांकि ‘हनुमान अंश’ उनकी पहली अभिनय फिल्म है, लेकिन वह इससे पहले पर्दे के पीछे फिल्म निर्माण से जुड़े रहे हैं। वर्ष 2019 में उन्होंने ‘रागिनी एमएमएस रिटर्न्स’ में सहायक निर्देशक के प्रशिक्षु के तौर पर काम शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने पटकथा और निरंतरता विभाग में भी काम किया और ‘सीआईडी’ के कुछ प्रकरणों में सहायक निर्देशक की जिम्मेदारी संभाली। शोभिनव का यही अनुभव उन्हें नीम करोली बाबा की भूमिका निभाने में काम आया। फिल्म करीब 2 करोड़ रुपये की लागत में बनी थी और अब 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। इस तरह पहली ही फिल्म से शोभिनव सत्य ने दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना ली है।

ईशा रिखी से अलग होने के बाद चर्चा में बादशाह का पुराना बयान

शादी को बताया था ‘बेकार कॉन्सेप्ट’

यूनिक समय, नई दिल्ली। रैपर बादशाह और ईशा रिखी के अलग होने की खबर सामने आने के बाद दोनों का रिश्ता एक बार फिर चर्चा में है। बादशाह ने हाल ही में सामाजिक माध्यम पर एक संदेश साझा कर बताया कि उन्होंने और ईशा रिखी ने आपसी सहमति से अलग होने और अपनी–अपनी राह पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। इसके बाद बादशाह का वर्ष 2024 का पुराना बयान भी चर्चा में आ गया है, जिसमें उन्होंने शादी को लेकर अपनी राय जाहिर की थी और इसे ‘बेकार कॉन्सेप्ट’ बताया था। दरअसल, मार्च 2026 में बादशाह और ईशा रिखी की शादी की तस्वीरें सामाजिक माध्यम पर तेजी से वायरल हुई थीं। हालांकि, बादशाह ने खुद अपनी शादी की तस्वीरें साझा नहीं की थीं। ईशा की मां पूनम रिखी ने उनकी निजी शादी की तस्वीरें और वीडियो साझा किए थे, जिसके बाद दोनों के विवाह की खबर सामने आई थी। बताया जाता है कि शादी से पहले बादशाह और ईशा करीब चार साल तक रिश्ते में थे और दोनों की मुलाकात एक साझा दोस्त के माध्यम से हुई थी। वर्ष 2024 में शादी पर बात करते हुए बादशाह ने कहा था कि शादी की अवधारणा में कुछ बदलाव की जरूरत है। उनका कहना था कि शादी के बाद व्यक्ति पर काफी दबाव होता है, इसलिए जीवन में इतना बड़ा फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए। उस समय उनका यह बयान चर्चा में आया था और अब ईशा से अलग होने की घोषणा के बाद एक बार फिर लोगों का ध्यान इस पुराने बयान की ओर गया है। यह बादशाह की दूसरी शादी थी। इससे पहले उन्होंने जैस्मीन मसीह से विवाह किया था। दोनों करीब आठ साल साथ रहे और वर्ष 2020 में अलग हो गए। इस रिश्ते से उनकी एक बेटी भी है। वहीं, ईशा से अलग होने की घोषणा करते हुए बादशाह ने लोगों से उनकी निजता का सम्मान करने और रिश्ते को लेकर किसी तरह की अटकलें नहीं लगाने की अपील की है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में नौ पुलिसकर्मी निलंबित

यूनिक समय, प्रयागराज/कौशांबी। प्रयागराज–कौशांबी सीमा पर अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लापरवाही के आरोप में एक निरीक्षक और छह उपनिरीक्षकों समेत नौ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। हादसे में आठ बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हुई है। मंगलवार को सभी शवों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई।

सोमवार दोपहर करीब साढ़े 11 बजे पटाखा फैक्ट्री में तेज धमाका हुआ था। विस्फोट इतना भीषण था कि आसपास के तीन मकान पूरी तरह ढह गए, जबकि पांच मकान क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद रात तक बचाव

मलबे में बेटे की तलाश करता रहा पिता

फोरेंसिक टीम जुटा रही विस्फोट के साक्ष्य

अभियान चलाया गया। पुलिस, वायुसेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल के करीब 200 जवानों ने राहत एवं बचाव कार्य में हिस्सा लिया। मलबा हटाने के लिए दस बुलडोजर लगाए गए।

हादसे के बाद मंगलवार को भी मलबा हटाने का काम जारी रहा। इसी दौरान सरजू दास अपने बेटे सुनील की तलाश करते नजर आए। उनका कहना है कि बेटे का एक पैर पोस्टमार्टम गृह में मिला है, लेकिन अब तक उसका पूरा शव नहीं मिल सका है। मौके से बेटे की मोटरसाइकिल भी मिली है। एक अन्य लापता व्यक्ति की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

फैक्ट्री मालिक नौशाद को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार वह शहर छोड़कर भागने की कोशिश कर रहा था। उसकी संपत्तियों की जांच और जब्ती की कार्रवाई के लिए टीम गठित की गई है।

मंगलवार को फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस मलबे और आसपास के खेतों की भी जांच कर रही है। विस्फोट का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। एक महिला ने बिजली का खंभा गिरने के बाद बारूद में धमाका होने की बात कही थी। फैक्ट्री वायुसेना स्टेशन से करीब दो किलोमीटर दूर संचालित हो रही थी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

कौशांबी पटाखा विस्फोट में 11 मौतों पर उठे सवाल

यूनिक समय, कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी गांव में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में आठ बच्चों समेत 11 लोगों की मौत के बाद व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। फैक्ट्री मालिक नौशाद का लाइसेंस अक्टूबर 2024 में 1200 किलो बारूद मिलने के बाद निलंबित हुआ था और उसे जेल भेजा गया था। इसके बावजूद जेल से छूटने के बाद वह दोबारा पटाखों का कारोबार करता रहा। हादसे में तीन मकान पूरी तरह ढह गए और पांच अन्य क्षतिग्रस्त हुए। करीब 200 मीटर दूर 33 हजार वोल्ट बिजली लाइन का टावर भी क्षतिग्रस्त हुआ। नौ घंटे चले बचाव अभियान में दस जेसीबी, 11 दमकल वाहन और 14 एंबुलेंस लगाई गईं। पुलिस, प्रशासन और अग्निशमन विभाग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। फोरेंसिक जांच से विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

आगरा में यूजीसी नियमों के विरोध में प्रदर्शन, हाईवे जाम

यूनिक समय, आगरा। यूजीसी के नए नियमों के विरोध में मंगलवार को आगरा के एत्मादपुर में सवर्ण समाज और करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। करीब 300 प्रदर्शनकारी रैली के रूप में उपजिलाधिकारी कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने तहसील गेट के पास घेराबंदी कर उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का–मुक्की हो गई।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। इसी दौरान धक्का–मुक्की में एक निरीक्षक गिर गए। प्रदर्शनकारियों से बचने के लिए वह वकीलों के कक्षों की ओर चले गए। घटना के बाद मौके पर पुलिस बल बढ़ा दिया गया। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और निर्धारित स्थान पर ही प्रदर्शन करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी के प्रस्तावित

प्रदर्शनकारियों को रोकने पर पुलिस से हुई धक्का–मुक्की

इंस्पेक्टर गिरने के बाद वकीलों के कक्ष में पहुंचे

नियमों से सामाजिक और शैक्षिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने नियमों को वापस लेने की मांग करते हुए नारेबाजी की। रैली के दौरान यातायात प्रभावित हुआ और राजमार्ग पर जाम की स्थिति बन गई।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी रही। प्रशासन ने कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की और यातायात को सुचारु कराने के प्रयास किए।

खाटूश्याम से लौटते समय श्रद्धालुओं की पिकअप ट्रक से टकराई

केएमपी एक्सप्रेस–वे पर भीषण सड़क हादसे में छह श्रद्धालु मरे

यूनिक समय, मैनपुरी/पलवल। राजस्थान के खाटूश्याम और बालाजी मंदिर के दर्शन कर वृंदावन लौट रहे मैनपुरी के 21 श्रद्धालुओं की पिकअप मंगलवार तड़के हरियाणा के पलवल में भीषण हादसे का शिकार हो गई। केएमपी एक्सप्रेस–वे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पिकअप पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई श्रद्धालु वाहन से उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं, जबकि 14 श्रद्धालु घायल हुए हैं।

मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र के किशनपुर मुरैया, मकोया और चांदा गांवों के श्रद्धालुओं ने रक्षाबंधन पर धार्मिक यात्रा के लिए पिकअप किराये

वृंदावन जाते समय चालक को झपकी आने की आशंका

केएमपी एक्सप्रेसवे पर हादसे से मची चीख पुकार

पर ली थी। सोमवार शाम सभी ने राजस्थान में खाटूश्याम और बालाजी के दर्शन किए। इसके बाद वृंदावन में दर्शन करने के लिए देर रात मथुरा की ओर रवाना हुए थे। मंगलवार सुबह पलवल जिले में केएमपी एक्सप्रेस–वे पर यह हादसा हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। राहगीरों की मदद से घायलों को पिकअप से बाहर निकालकर पलवल के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने छह श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान विजय सिंह, राजकुमार, रेशमा देवी, कमला देवी, सुधा और महेश के रूप में हुई है। 14 घायलों का उपचार चल रहा है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने की आशंका जताई गई है। बताया गया कि पिकअप को लोहे के सरिए और जाल लगाकर दो मंजिला बनाया गया था। इससे वाहन की ऊंचाई बढ़ गई थी। हादसे के बाद ट्रक चालक और पिकअप चालक सुधीर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर कल निर्णय संभव

यूनिक समय, अयोध्या। चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की तीसरी बैठक बुधवार को अयोध्या में होगी। बैठक में राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नाम पर अंतिम निर्णय होने की संभावना है। इसके अलावा प्रसाद वितरण और परिक्रमा व्यवस्था से जुड़ी समितियों के गठन पर भी चर्चा हो सकती है।

राम मंदिर की व्यवस्थाओं को अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए न्यास लगातार प्रशासनिक स्तर पर बदलाव और जिम्मेदारियां तय कर रहा है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति को लेकर कई नाम चर्चा में हैं। इनमें उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवाएं दे चुके एक पूर्व अधिकारी का नाम भी प्रमुखता से सामने आया है। हालांकि, अंतिम निर्णय न्यास की बैठक में ही होगा।

मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी चोरी का मामला सामने आने के बाद व्यवस्थाओं की निगरानी और पारदर्शिता को लेकर भी चर्चा तेज है।

अलीगढ़ में होटल मैलरोज इन सील संचालक पर मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, अलीगढ़। मैरिस रोड स्थित होटल मैलरोज इन में जुआ पकड़े जाने के मामले में क्वार्सी पुलिस ने सोमवार देर रात होटल को सील कर दिया। 30 अगस्त को पुलिस ने होटल में छापा मारकर 17 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ा था। कार्रवाई के बाद मामले की विवेचना शुरू की गई, जिसमें होटल संचालक निखिल अग्रवाल और एक प्रबंधक की भूमिका सामने आई।

पुलिस के अनुसार विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर होटल संचालक और प्रबंधक को मुकदमे में आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने देर रात करीब एक बजे होटल को सील करने की कार्रवाई की। होटल में जुआ किस तरह संचालित हो रहा था और इसमें होटल प्रबंधन की क्या

होटल से 17 जुआरी पकड़े जाने के बाद कार्रवाई

पुलिस ने जुआरियों से बरामद की थी नकदी

भूमिका थी, इसकी जांच की जा रही है। 30 अगस्त को पुलिस की कार्रवाई के दौरान होटल से 17 जुआरी पकड़े गए थे। मौके से जुए में इस्तेमाल की जा रही नकदी और अन्य सामान भी बरामद किए जाने की जानकारी है। पुलिस अब होटल में जुए के संचालन से जुड़े लोगों और गतिविधियों की पड़ताल कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैंक में 17 करोड़ के नकली नोट मिलने से हड़कंप

यूनिक समय, सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पंजाब नेशनल बैंक की मुद्रा तिजोरी में करीब 17 करोड़ रुपये के नकली नोट मिलने से हड़कंप मच गया। बैंक के आंतरिक लेखा परीक्षण के दौरान नकली नोटों का मामला सामने आया। सूचना के बाद रिजर्व बैंक के छह अधिकारी मंगलवार सुबह करीब आठ बजे दो वाहनों से बैंक पहुंचे। अधिकारी कई घंटे तक बैंक के अंदर रहकर मामले की जांच करते रहे।

मामला सामने आने के बाद बैंक के तीन अधिकारियों को निलंबित कर

दिया गया है। बताया जा रहा है कि बैंक की मुद्रा तिजोरी की देखरेख करने वाला कर्मचारी सीसीटीवी में रुपये

मुद्रा भंडार में जांच के दौरान सामने आया मामला

तीन बैंक अधिकारी निलंबित, रिजर्व बैंक की जांच जारी

निकालते हुए दिखाई दे रहा है। इससे मामले में उसकी भूमिका भी जांच के घेरे में आ गई है। बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। रिजर्व बैंक की टीम नकली नोटों की संख्या, उनके स्रोत और बैंक की मुद्रा तिजोरी से जुड़े लेनदेन की जांच कर रही है। अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों और अभिलेखों का मिलान भी किया जा रहा है। बैंक प्रबंधन की ओर से मामले में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि इतनी बड़ी मात्रा में नकली नोट बैंक की मुद्रा तिजोरी तक कैसे पहुंचे और इसमें कौन–कौन लोग शामिल हैं।

गंगा एक्सप्रेस–वे धंसा, सात फीट गहरे गड्ढे से खतरा

यूनिक समय, उन्नाव। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच गंगा एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने से करीब सात फीट गहरा और पांच फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। यह घटना सोमवार देर रात बसीरतगंज टोल प्लाजा के पास प्रयागराज जाने वाली लेन पर हुई। गड्ढे को कपड़े और शॉल से ढकने का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। हालांकि, शॉल किसने और किस उद्देश्य से डाली, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कंपनी के कर्मचारियों ने गश्त के दौरान गड्ढे को देखा। इसके बाद तत्काल बैरिकेडिंग कर यातायात को

शॉल डालकर गड्ढा छिपाने का वीडियो हुआ प्रसारित

करीब 300 मीटर पहले दूसरी ओर मोड़ दिया गया। मंगलवार को मरम्मत का काम शुरू किया गया और सड़क को ठीक कर दिया गया। कंपनी के प्रबंधक आरएस मिश्रा के अनुसार भारी बारिश के कारण टोल प्लाजा के पास पानी भरने से सड़क धंस गई। भविष्य में जलभराव रोकने के लिए सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। इससे पहले 17 अगस्त को सोनिक गांव के पास मिट्टी कटने से करीब 200 मीटर सड़क प्रभावित हुई थी।

सार संक्षेप

गोवा से दिल्ली जा रहे विमान के इंजन में खराबी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गोवा से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान में उड़ान भरने के कुछ देर बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान में 229 यात्री सवार थे। इंजन में समस्या की जानकारी मिलने पर पायलटों ने विमान को वापस गोवा के मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया। विमान की सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। विमानन कंपनी के अनुसार, उड़ान संख्या 6ई 2102 में तकनीकी समस्या सामने आई थी। विमान की जांच जारी है।

हल्द्वानी विवाद पर कांग्रेस का प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच विवाद तेज हो गया है। राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के विरोध में कांग्रेस मंगलवार को प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने सितंबर के पहले सप्ताह में देहरादून में सचिवालय घेराव की भी तैयारी की है। कांग्रेस ने कथित शुद्धिकरण करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

फुटपाथ पर नाई की गलती नहीं, ट्रक चालक जिम्मेदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सड़क हादसे के मामले में फुटपाथ पर बाल काटने वाले नाई को राहत दी है। अदालत ने कहा कि फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए होता है, इसलिए वहां बैठे व्यक्ति को हादसे में लापरवाही का साझेदार नहीं माना जा सकता। सितंबर 2019 में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से नाई गंभीर रूप से घायल हुआ था। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने मुआवजे में 30 प्रतिशत कटौती की थी। हाईकोर्ट ने यह फैसला रद्द करते हुए बीमा कंपनी को नाई को 1.71 लाख रुपये अतिरिक्त मुआवजा और छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का आदेश दिया।

उत्पीड़न से परेशान चिकित्सक की उपचार के दौरान मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में आत्महत्या का प्रयास करने वाले सरकारी चिकित्सक डॉ. राजेंद्र रूपनवर की सोमवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। वह सतारा के फलतां उप-जिला अस्पताल में तैनात थे।
उन्होंने उत्पीड़न और आंतरिक जांच के दबाव का आरोप लगाया था। घटना के बाद संबंधित चिकित्सा अधीक्षक निलंबित किए गए।

पूर्व मुखिया के बाद बीडीओ रिश्वत लेते गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांका में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने फुल्लीडुमर के प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित प्रताप सिंह को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। कार्रवाई निजी आवास पर हुई। उनके मामा बच्चन प्रसाद सिंह को भी हिरासत में लिया गया। एक दिन पहले बीडीओ की शिकायत पर पूर्व मुखिया जेल भेजे गए थे।

अगस्त में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार, बना नया कीर्तिमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अगस्त 2026 में मजबूती का संकेत दिया। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़कर 1,99,853 करोड़ रुपये पहुंच गया। घरेलू लेनदेन से 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक राजस्व मिला, जबकि आयात से प्राप्त कर 29 प्रतिशत बढ़कर 62,604 करोड़ रुपये रहा। केंद्रीय जीएसटी 38,413 करोड़ और राज्य जीएसटी 46,316 करोड़ रुपये रहा। सरकार ने 31,795 करोड़ रुपये का धनवापसी भी किया। इसे घटाने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़

रुपये रहा।

डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भी अगस्त में नया रिकॉर्ड बना। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार, एकीकृत भुगतान प्रणाली के

त्योहारी मांग से अर्थव्यवस्था को मिला मजबूत सहारा

यूपीआई लेनदेन ने भी अगस्त में नया रिकॉर्ड बनाया

माध्यम से 24.51 अरब लेनदेन हुए। इनका कुल मूल्य 29.82 लाख करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष अगस्त की तुलना में लेनदेन की संख्या में करीब 22 प्रतिशत और मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रक्षाबंधन सहित त्योहारी गतिविधियों ने छोटे और रोजमर्रा के डिजिटल भुगतानों को बढ़ावा दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, जीएसटी संग्रह और डिजिटल भुगतान में बढ़ोतरी घरेलू मांग तथा व्यापारिक गतिविधियों की मजबूती को दर्शाती है। अप्रैल 2026 में अब तक का सर्वाधिक 2.43 लाख करोड़ रुपये जीएसटी संग्रह दर्ज हुआ था। यूपीआई की बढ़ती पहुंच से डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी लगातार गति मिल रही है। वर्तमान में कई विदेशी देशों में भी भारतीय भुगतान प्रणाली स्वीकार की जा रही है। आगामी त्योहारी मौसम में उपभोक्ता मांग और डिजिटल भुगतान में और तेजी आने की उम्मीद है।

एससीओ समिट में पीएम ने जिनपिंग और पुतिन से की मुलाकात

आतंकवाद के पूरे तंत्र का खात्मा जरूरी : मोदी

युद्ध नहीं, बातचीत से विवादों का समाधान

पुतिन ने संगठन की बढ़ती भूमिका बताई

मोदी ने शरीफ के सामने आतंकवाद पर सुनाई खरी-खरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अचानक मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की। दोनों के बीच अलग से द्विपक्षीय बैठक पहले से तय नहीं थी। इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी दोनों नेताओं के साथ नजर आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि केवल आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आतंकवाद के पूरे तंत्र को समाप्त करना जरूरी है। आतंकवाद की आर्थिक मदद, आतंकियों की भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह के दोहरे रवैये की जगह नहीं होनी चाहिए। मोदी ने कहा कि किसी देश के लिए आतंकवाद गलत और दूसरे के लिए सही नहीं हो सकता। सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक सुर में आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने उन देशों को स्पष्ट संदेश देने की जरूरत बताई, जो आतंकवाद को अपनी नीतियों के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं या आतंकियों को पनाह और समर्थन देते हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी क्षेत्र में होने वाला युद्ध केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसका असर ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि तनाव और युद्ध का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति से निकाला जाना चाहिए।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन अब दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन बन चुका है। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों में दुनिया की करीब आधी आबादी रहती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में इनकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। सम्मेलन में क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा हुई। भारत वर्ष 2017 में इस संगठन का पूर्ण सदस्य बना था।

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में कैमरा फोन पर रोक

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के 52 प्रमुख मंदिरों में मंगलवार से कैमरा वाले मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगा दी गई है। सरकार ने मंदिरों की पवित्रता, आध्यात्मिक वातावरण और श्रद्धालुओं की निजता बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। हालांकि, बिना कैमरे वाले सामान्य मोबाइल फोन मंदिर परिसर में ले जाने की अनुमति रहेगी।

मंदिरों में फोटो, वीडियो, सेल्फी और सामाजिक माध्यमों के लिए रील बनाने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों के अनुसार ऐसी गतिविधियों से मंदिरों का आध्यात्मिक वातावरण प्रभावित होता है और कई बार दूसरे श्रद्धालुओं की निजता भी भंग होती है।

सरकार के अनुसार पहले चरण में तिरुचेंदूर, पलानी, तिरुप्परंकुंद्रम, तिरुवन्नामलाई, समयपुरम, श्रीरंगम, रामेश्वरम और सुचिंद्रम सहित प्रमुख मंदिरों में नियम लागू किया गया है। नेल्लैयप्पर, मदुरै अलगर, कोयंबटूर कोनियाम्मन और सलेम फोर्ट मरियम्मन मंदिर भी इसके दायरे में हैं। चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में वडापलानी मुरुगन, मायलापुर कपालीश्वरर, ट्रिप्लिकेन पार्थसारथी, तिरुवोट्टियूर वडिवुडई अम्मन, तिरुवेरकाडु देवी करुमरियम्मन, कुंद्राथुर मुरुगन और मंगाडु कामाक्षी अम्मन मंदिरों में भी कैमरा वाले मोबाइल फोन

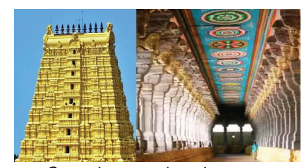

दर्शन से पहले मोबाइल जमा करना होगा

पेड काउंटर और लॉकर की सुविधा भी मिलेगी श्रद्धालुओं को

प्रतिबंधित रहेंगे।

कांचीपुरम के कामाक्षी अम्मन, वरदराज पेरुमल और एकंबरेश्वर मंदिर तथा तिरुवल्लूर के वीरराघव पेरुमल और तिरुत्तनी के मुरुगन मंदिर भी इस व्यवस्था में शामिल हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिरों में शुल्क लेकर मोबाइल जमा करने के लिए काउंटर और सुरक्षित लॉकर बनाए गए हैं। बड़े मंदिरों में करीब 20 हजार मोबाइल रखने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, त्योहारों और विशेष अवसरों पर 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ होने पर व्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है। विभाग ने श्रद्धालुओं से संभव हो तो कैमरा वाले मोबाइल घर, होटल या वाहन में छोड़कर आने की अपील की है। मंदिरों में फोटो और वीडियो बनाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

सितंबर से गैस, दूध और कारें हुई महंगी

नई कीमतों से आम लोगों की जेब पर बढ़ेगा बोझ

कार खरीदना और सीएनजी इस्तेमाल करना महंगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। सितंबर की शुरुआत के साथ देश में कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो गए हैं। व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में औसतन 11.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। पांच किलो वाला सिलेंडर भी महंगा हुआ है, जबकि घरेलू 14 किलो सिलेंडर के दाम में बदलाव नहीं किया गया। मुंबई में थोक दूध की कीमत नौ रुपये प्रति लीटर बढ़कर 102 रुपये हो गई है। इससे दही, पनीर और मिठाइयों के दाम बढ़ने की संभावना है।

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए पहचान सत्यापन की समयसीमा 31 अगस्त थी। समय पर प्रक्रिया पूरी नहीं करने वालों को सब्सिडी मिलने में परेशानी हो सकती है। टाटा मोटर्स ने वाहनों की कीमत 25 हजार रुपये तक बढ़ाई है, जबकि हुंडई ने करीब एक प्रतिशत तक वृद्धि की है। मुंबई में सीएनजी दो रुपये प्रति किलो और घरेलू पाइप गैस एक रुपये प्रति इकाई महंगी हुई है। हवाई ईंधन के दाम भी 5.46 प्रतिशत बढ़े हैं। इससे विमान कंपनियों का खर्च बढ़ने और आगे चलकर हवाई टिकट महंगे होने की आशंका है।

सीजेपी ने पांच सितंबर का प्रस्तावित मार्च किया रद्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पांच सितंबर को प्रस्तावित इंडिया गेट मार्च रद्द करने का फैसला किया है। संगठन के सह समन्वयक सौरव दास ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान इसकी जानकारी दी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेपी के प्रस्तावित मार्च को रद्द करने की मांग रखी थी। इसके बाद सौरव दास ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष स्पष्ट किया कि पांच सितंबर को प्रस्तावित विरोध मार्च नहीं निकाला जाएगा। संगठन के इस निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी सराहना व्यक्त की। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष मार्च को लेकर संगठन का रुख स्पष्ट होने के बाद प्रस्तावित कार्यक्रम रद्द होने की जानकारी सार्वजनिक हुई।

अल्मोड़ा में भूस्खलन से मकान ढहा, तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर क्षेत्र में अतिवृष्टि और भूस्खलन के कारण एक मकान ढहने से मलबे में दबकर तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, अग्निशमन विभाग और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। सड़क पर मलबा आने के कारण घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर पहले ही रास्ता बंद था। इसके बावजूद एसडीआरएफ के जवान जरूरी बचाव उपकरण लेकर पैदल घटनास्थल तक पहुंचे।

टीम ने स्थानीय लोगों और पुलिस के साथ मिलकर मलबे में खोज अभियान चलाया। काफी प्रयास के बाद तीन लोगों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान प्रेमा देवी (42), कल्पना आर्या (19) और मनीष कुमार (18) के रूप में हुई है। हादसे के दौरान मकान के बाहर वाले कमरे में सो रहे गुलाब राम सुरक्षित बच गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

अगस्त में भी मौसम से पूरी नहीं हो सकी वर्षा की उम्मीद

2022 के मुकाबले कुछ अधिक पानी बरसा

अब तक फसलों को नहीं मिली राहत

यूनिक समय, मथुरा। इस बार अगस्त में भी मानसून बीते वर्षों के मुकाबले अच्छी दस्तक नहीं दे सका। वर्षा से जुड़े इन तीन महीनों के दौरान जिले में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है, जबकि अगस्त का यह महीना पांच साल के दौरान वर्षा को लेकर खेती को राहत नहीं देने वाला रहा। जिले के आसपास के अन्य जिलों में आए दिन वर्षा हो रही है, लेकिन यहां अकाल सा पड़ रहा है। इस साल अगस्त में जिले में करीब 176 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वर्ष 2025 में अगस्त में 249 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इसके बाद 2024 में 193, 2023 में 155, 2022 में 101 और 2021 में 119 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में 2024 के मुकाबले करीब 17 मिलीमीटर, 2023 से 21 मिलीमीटर और 2022 की तुलना में 75 मिलीमीटर अधिक बारिश हुई। इस तरह 2022 के मुकाबले इस बार अगस्त में बारिश कुछ ज्यादा रही। हालांकि वर्ष 2025 की तुलना में करीब 73 मिलीमीटर कम पानी बरसा। वर्ष 2021 से 2025 तक अगस्त की औसत बारिश करीब 163.4 मिलीमीटर रही। इसके मुकाबले इस बार करीब 39 मिलीमीटर अधिक बारिश हुई, जो औसत से लगभग 31 प्रतिशत ज्यादा है। एक जून से 31 जुलाई तक महज 147.5 मिलीमीटर बारिश हुई थी, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 301 मिलीमीटर पानी बरसा था। अगस्त में सामान्य वर्षा भी नहीं होने से किसान और हर तबका परेशान रहा। धान और अन्य फसलों के लिए किसानों को नहर और ट्यूबवैलों का सहारा लेना पड़ गया। किसान हेमवीर सिंह का कहना है कि आसपास के जिलों में हर रोज वर्षा हो रही है, लेकिन परमात्मा इस जिले से नाराज दिख रहा है।

कल से छह सितंबर तक बारिश के आसार

यूनिक समय, मथुरा। मौसम विभाग का यह पूर्वानुमान लोगों और किसानों को राहत देने वाला है। पूर्वानुमान के अनुसार, दो से छह सितंबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने, एक–दो दौर बारिश या गरज–चमक के साथ बौछार पड़ने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री और न्यूनतम 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वहीं, आज आमसान में बादलों की आवाजाही से मौसम में बदलाव के संकेत भी मिले।

एनसीसी ने शुरू किया सीएटीसी 48 ड्रोन प्रशिक्षण शिविर

ड्रोन प्रशिक्षण शिविर में आए कैडेट्स को संबोधित करते अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। 11 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित सीएटीसी –48 ड्रोन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 63 इंजीनियर रेजिमेंट में किया गया। शिविर नौ सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रांत त्यागी, सेना मेडल के नेतृत्व में हो रहा है। शिविर का उद्घाटन इंजीनियर रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सरज सिन्हा ने किया। उन्होंने कैडेट्स का स्वागत करते हुए आधुनिक युग में ड्रोन तकनीक के महत्व, प्रशिक्षण के उद्देश्यों और इसके व्यावहारिक-सामरिक उपयोगों के बारे में जानकारी दी। शिविर में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए कुल 41 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। कैडेट्स को प्रशिक्षण कार्यक्रम, दैनिक समय–सारिणी और शिविर की गतिविधियों की जानकारी दी गई। तीन सितंबर को स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया जाएगा। स्क्रीनिंग टेस्ट और अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 श्रेष्ठ कैडेट्स का चयन उन्नत ड्रोन प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा। कर्नल सरज सिन्हा ने कैडेट्स को प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, समयपालन, एकाग्रता और पूर्ण सहभागिता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मेजर वैभव मिश्रा, कैंप एडजुटेंट कैप्टन गोविंद, ट्रेनिंग ऑफिसर हुकम सिंह प्रजापति, सूबेदार मेजर राजेंद्र सिंह और सूबेदार तेजिंदर गुर्जर सहित अन्य जेसीओ और एनसीओ उपस्थित रहे।

ऐंच गांव में कुश्ती दंगल युवाओं ने दिखाया दमखम

पहलवानों ने अखाड़े में प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

दंगल में जोर- आजमाइश दिखाते पहलवान।

यूनिक समय, मथुरा। छाता क्षेत्र के ऐंच गांव में आयोजित कुश्ती दंगल में बड़ी संख्या में युवाओं और पहलवानों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी कुश्ती प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दंगल देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। विक्रम सिंह ने कहा कि कुश्ती दंगल युवाओं में एकता, अनुशासन और सकारात्मक सोच को मजबूत करता है। राम ठाकुर ने इसे युवाओं के जोश और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि कुश्ती शारीरिक मजबूती के साथ आत्मविश्वास और आगे बढ़ने का हौसला देती है। हरपाल सिंह ने कहा कि अखाड़े की मिट्टी जाति, धर्म और वर्ग के भेद मिटाकर लोगों को एकजुट करती है। दंगल में कमल सिंह, मोहन सिंह, मनोज, रहीम, भगवत और पदम सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

रास्ता रोककर मारपीट, लाठी-डंडों से हमले में एक बेहोश, सात पर केस

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव धानौता में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। भट्टे के सामने दो गाड़ियों का रास्ता रोककर सात लोगों ने लाठी–डंडे और सरिया से हमला कर दिया। हमले में एक व्यक्ति बेहोश हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव धानौता निवासी जीतपाल ने पुलिस को बताया कि 31 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे उनके रिश्तेदार वीरपाल निवासी रनवारी थाना छाता और मनोज सिंह निवासी गांव पाली, थाना गोवर्धन अपनी कार से गांव आ रहे थे। जैसे ही वे धानौता वाले रास्ते पर भट्टे के सामने पहुंचे, तभी गांव के ही वीरबल, दाताराम, शेरपाल सहित सात लोगों ने टीपीएस स्कूल की गाड़ी लगाकर उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि सभी ने गाली–गलौज करते हुए कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी, लाठी–डंडे और सरिया से हमला कर दिया। हमले के दौरान आरोपियों ने वीरपाल का गला दबा दिया, जिससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने सात नामजद लोगों के खिलाफ सुसं मुकदमा दर्ज कर लिया है। शाहपुर चौकी प्रभारी विनीत नेहरा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खेत में धार्मिक थान रखने पर विवाद

पीड़ित ने पड़ोसी पर जबरन थान रखने का आरोप लगाया

यूनिक समय, महावन। बिचपुरी चौकी क्षेत्र के पिरसुआ गांव में खेत में कथित तौर पर जबरन धार्मिक थान रखने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। सतीश कुमार के अनुसार, मंगलवार सुबह वह अपने खेत पर पहुंचे तो पीपल के पेड़ के नीचे कुछ धार्मिक थान रखे मिले। उन्होंने बताया कि खेत उनके पिता नंदन शर्मा ने करीब दस वर्ष पहले गांव के शिवकुमार से खरीदा था। तभी से परिवार खेत में खेती करता आ रहा है। सतीश ने थान रखने के संबंध में पड़ोसी रिंकू से जानकारी ली। आरोप है कि रिंकू ने थान खुद रखने की बात कहते हुए उन्हें हटाने पर जान से मारने की धमकी दी। बिचपुरी चौकी के उपनिरीक्षक राज वर्मा ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है, जांच के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण की गिरफ्त में बाजार, फुटपाथ किराए पर

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के दो सबसे व्यस्त बाजार शेखान गली और जानकी भवन मार्ग अब बाजार नहीं, बल्कि अतिक्रमण की नुमाइश बन गए हैं। यहां दुकानदारों ने सड़क को अपनी जागीर समझ लिया है। दुकान के अंदर कम, बाहर सड़क पर सामान ज्यादा सजा है। ऊपर से नीचे तक सामान टांग कर सड़क को घेर लिया गया है। पहले से ही संकरी इन गलियों में अतिक्रमण के बाद पैर रखने तक की जगह नहीं बची। बाइक और ई–रिक्शा तो दूर, अब पैदल निकलना भी जंग लड़ने जैसा है। लोगों का आरोप है कि दुकानदारों ने नगर पालिका द्वारा बनवाए गए फुटपाथ पर भी कब्जा कर उसे किराए पर उठा दिया है। किराएदार फुटपाथ पर ठेला–फड़ लगाकर धंधा कर रहे हैं, और राहगीर सड़क पर जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इसको लेकर नगर पालिका और पुलिस से कई बार लिखित शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द अतिक्रमण अभियान नहीं चला तो वह आंदोलन को मजबूर होंगे।

कोसी–नंदगांव मार्ग पर शव रखकर जाम

यूनिक समय, कोसीकलां। मृतक का शव सड़क पर रखकर कोसी–नंदगांव मार्ग को अवरुद्ध करना 16 लोगों को भारी पड़ गया। पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा, उपद्रव और मार्ग अवरुद्ध करने के आरोप में 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना 31 अगस्त की शाम की है। ग्राम सुरवारी के पास चंद्रपाल की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर शव को कोसी–नंदगांव रोड पर रख दिया और जाम लगा दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और राहगीरों को घंटों जाम में फंसना पड़ा। मौके पर पहुंची कोकिलावन चौकी पुलिस ने भीड़ को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग सड़क से हटने को तैयार नहीं हुए। इससे लोक व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ गई। कोकिलावन चौकी इंचार्ज अंकित शर्मा की तहरीर के आधार पर पुलिस ने एक सितंबर को महेंद्र, मान सिंह, लक्ष्मण, सोनू, लेखराज, वीरेंद्र उर्फ काला, धर्मपाल, रामबाबू, देवेंद्र सहित 16 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि मामले की विवेचना जिन्दल चौराहा चौकी इंचार्ज राजीव तोमर को सौंपी गई है। आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व सैनिक संघ की बैठक में योजनाओं की जानकारी दी

उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद पर चयनित पूर्व सैनिक देवेंद्र प्रसाद का सम्मान करते जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर जगबीर सिंह ।

पूर्व सैनिकों से अनुशासन और एकजुटता बनाए रखने की अपील

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व सैनिक संघ की बैठक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय परिसर में कैप्टन भंवर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें जनपद के सभी विकासखंडों से पूर्व सैनिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर जगबीर सिंह ने केंद्र और प्रदेश सरकार की पूर्व सैनिकों के लिए संचालित लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही पूर्व सैनिकों से आपसी संपर्क और सहयोग बनाए रखने की अपील की। उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीग के समन्वयक खेमचंद शर्मा नगेश ने पूर्व सैनिकों से समाज में एकरूपता और अनुशासन बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए और किसी भी असामाजिक तत्व के प्रभाव में आने से बचना चाहिए। इससे पूर्व सैनिकों के सम्मान और संगठन की गरिमा बनी रहेगी। बैठक में कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम में विशेष सहयोग देने के लिए कमांडर जगबीर सिंह ने उत्तर प्रदेश समन्वयक खेमचंद शर्मा नगेश को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। वर्ष 2025–26 में उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा में उपनिरीक्षक पद पर चयनित पूर्व सैनिकों के सम्मान की कड़ी में वर्ष 2022 में सेना की सिंगल कोर से सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक देवेंद्र प्रसाद हाथरस को भी प्रतीक चिन्ह और पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। बैठक में कैप्टन जवाहरलाल, मनोज कुलश्रेष्ठ, प्रेम सिंह, बृज सिंह पांडव, श्याम सुंदर बेनीवाल, सोरन सिंह, मुरलीधर चतुर्वेदी, राधारमण, अमर सिंह, नारायण सिंह, वीर नारी रचना, सुधा त्रिवेणी, शशि और सीमा सहित अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

छाता चीनी मिल पर किसानों का धरना, लखनऊ कूच की चेतावनी

पुलिस कार्रवाई हुई तो पैदल मार्च करेंगे किसान

मिल चालू होने तक धरना जारी रखने का ऐलान

छाता चीनी मिल को लेकर चल रहे धरने को संबोधित करते वक्ता।

यूनिक समय, छाता, मथुरा। छाता चीनी मिल को दोबारा चालू कराने की मांग को लेकर चल रहे किसानों के धरने में मंगलवार को नया फैसला सामने आया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस प्रशासन ने उन्हें परेशान किया या बल प्रयोग किया तो किसान छाता चीनी मिल से लखनऊ तक पैदल मार्च करेंगे। इस घोषणा के बाद धरना स्थल पर किसानों में उत्साह दिखाई दिया। भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष दिगंबर चौधरी ने धरना स्थल पर किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि पुलिस प्रशासन ने रात में हुई कथित कार्रवाई जैसी घटना दोबारा दोहराई तो किसान और क्षेत्र के लोग एकजुट होकर लखनऊ की ओर पैदल यात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की मांग को दबाने के बजाय सरकार और प्रशासन को मिल संचालन के मुद्दे पर गंभीरता से पहल करनी चाहिए। दिगंबर चौधरी ने साफ कहा कि छाता चीनी मिल दोबारा शुरू होने तक किसानों का धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मिल बंद होने से किसानों और क्षेत्र के लोगों के सामने रोजगार और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी समस्याएं बढ़ी हैं। किसानों की मांग है कि मिल को जल्द से जल्द चालू किया जाए।